मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, मंगलवार, 4 नवंबर 2025

संवत 2082, कार्तिक शुक्लपक्ष 14 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 55 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ वृद्धावस्था : भारत की दीर्घायु को शक्ति में बदलना

आमिर खान को मिलेगा पहला आरके लक्ष्मण उत्कृष्टता पुरस्कार ◂◂ 6

बिहार चुनाव से पहले तेजस्वी यादव की 'नारी शक्ति' गारंटी

सत्ता में आए तो महिलाओं को मिलेंगे 30 हजार

14 जनवरी को महिलाओं के खाते में भेजी जायेगी माई-बहिन योजना की एकमुश्त राशि

पटना : बिहार में पहले चरण के मतदान से ठीक पहले राजद नेता तेजस्वी यादव ने एक बड़ा ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि माताओं और बहनों की मांग के आधार पर बहुत जल्द उनकी सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद मां-बहिन मान योजना के तहत महिलाओं के खाते में मकर संक्रांति के दिन एक ही बार में 30,000 रुपए भेजे जाएंगे।

तेजस्वी ने यह भी स्पष्ट किया कि यह राशि केवल एक साल के लिए नहीं, बल्कि पांच साल तक जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि अगर उनकी सरकार पूरी अवधि तक चलती है तो हर महिला को 5 साल में कुल 1।5 लाख रुपए का

लाभ मिलेगा।

तेजस्वी यादव ने कहा कि जैसे ही उनकी सरकार का गठन होगा, वह मकर संक्रांति के दिन महिलाओं के अकाउंट में सीधा आर्थिक लाभ देने का काम शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह पर्व दही-चूड़ा और तिल से जुड़ी परंपरा का प्रतीक है और इसी शुभ अवसर पर आर्थिक मदद भी महिलाओं तक पहुंचाई जाएगी।

उन्होंने कहा, हम आपको बताना चाहते हैं कि हमारी सरकार हमारी माताओं-बहनों की मांग पर बनने जा रही है। मकर संक्रांति के दिन, मां-बहिन मान योजना के तहत पूरे एक साल की 30,000 रुपए की राशि एक साथ महिलाओं के बैंक खातों में भेजी जाएगी। महंगाई के इस समय में यह मदद उनके लिए बहुत बड़ी राहत होगी।

उन्होंने कहा, पूरे एक साल में 30 हजार रुपए होते हैं। पांच साल में यह 1।5 लाख रुपए बनता है। हर महीने 2,500 रुपए का लाभ महिलाओं को मिलेगा। राजद नेता ने पुराने वादों को याद दिलाते हुए कहा कि उनकी पार्टी ने पहले भी महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए मजबूत कदम उठाने का वादा किया था। जीविका दीदियों को स्थायी करने और उन्हें 30,000 रुपए का मानदेय देने की बात पहले ही कही जा चुकी है।

महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए चुनाव से ठीक पहले तेजस्वी यादव की इस घोषणा को महागठबंधन का मास्टर स्ट्रोक मन जा रहा है। अब देखना होगा कि एनडीए इससे कैसे निपटता है।

डीजीसीए का नया नियम

48 घंटे के अंदर एयर टिकट कैंसिल करने या डेट बदलने पर नहीं देना होगा कोई शुल्क

नई दिल्ली : अगर आप हवाई यात्रा करते हैं और टिकट कैंसिल पर आपको भारी कैंसिलेशन चार्ज चुकाना पड़ा है, तो आपके लिए राहत भरी खबर है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने नए नियमों का मसौदा तैयार किया है। इसके तहत अगर आप टिकट बुकिंग के 48 घंटे के भीतर अपना टिकट कैंसिल करते हैं तो आपको कोई अतिरिक्त शुल्क यानी कैंसिलेशन चार्ज नहीं देना होगा।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने नए नियमों का मसौदा तैयार किया है, जिसके तहत हवाई यात्रियों को बुकिंग के 48 घंटे के भीतर बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के टिकट रद्द करने या संशोधित करने की सुविधा दी जाएगी तथा तेजी से रिफंड देने का प्रावधान किया गया है।

डीजीसीए के प्रस्तावित नियम के मुताबिक, टिकट बुकिंग के 48 घंटे के भीतर यात्री अपनी टिकट

की डेट भी बदल सकते हैं। इसके लिए भी आपको कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। हालांकि, यदि नया टिकट महंगा है, तो आपको सिर्फ किराए का अंतर चुकाना पड़ेगा।

यह सुविधा उन फ्लाइट्स पर लागू नहीं होगी जिनकी यात्रा तिथि नजदीक है। यानी, घरेलू उड़ानों के लिए यदि यात्रा बुकिंग के 5 दिन के भीतर है और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 15 दिन के भीतर, तो यह नियम लागू नहीं होगा।

एजेंट या ऑनलाइन पोर्टल से बुकिंग पर भी मिलेगा रिफंड: अक्सर यात्री ऑनलाइन पोर्टल या ट्रैवल एजेंट के जरिए टिकट बुक करते हैं और कैंसिलेशन के बाद रिफंड में देरी होती है। डीजीसीए ने स्पष्ट किया है कि भले ही टिकट एजेंट या वेबसाइट के जरिए खरीदा गया हो, एयरलाइंस को ही रिफंड की जिम्मेदारी उठानी होगी।

मणिपुर के खनपी में उग्रवादियों ने सेना पर की फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में चार उग्रवादी ढेर

इंफाल : मणिपुर के चुराचांदपुर जिले से लगभग 80 किलोमीटर पश्चिम स्थित खनपी गांव में सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) के चार उग्रवादी मारे गए।

एक अधिकारी ने बताया कि सेना को यूकेएनए के कुछ उग्रवादियों के क्षेत्र में होने की खबर मिली थी, जिसके बाद खानपी गांव के आसपास सुबह 5।30 बजे अभियान शुरू किया गया। रक्षा सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई खुफिया जानकारी के आधार पर की गई थी। अभियान के दौरान आतंकियों ने सेना के दस्ते पर बिना उकसावे के गोलीबारी की, जिसके जवाब में सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की।

बता दें कि यूकेएनए अब तक केंद्र सरकार, राज्य सरकार और कुकी-जोमी संगठनों के बीच अपने अभियानों को रोकने से जुड़े समझौते में शामिल नहीं है।

यूकेएनए एक गैर-एसओओ उग्रवादी संगठन है। हाल के दिनों में इस संगठन की तरफ से कई हिंसक घटनाओं को अंजाम दिया गया, जिनमें एक गांव प्रमुख की हत्या, स्थानीय लोगों को डराने-धमकाने और क्षेत्र में शांति भंग करने के प्रयास शामिल थे। इसके बाद ही सेना की तरफ से यह कार्रवाई की गई।

सेना और असम राइफल्स ने बयान में कहा है कि यह ऑपरेशन क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने तथा नागरिकों की सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान अभी जारी है।

कार और ट्रक के बीच हुई टक्कर में परिवार के पांच सदस्यों सहित 6 लोगों की मौत, दो घायल

बाराबंकी: उत्तर प्रदेश में बाराबंकी में भीषण सड़क हादसा पेश आया है। जिले के देवा क्षेत्र में एक कार और ट्रक के बीच टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार एक ही परिवार के पांच सदस्यों समेत 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना की व्यक्त की है। उन्होंने अधिकारियों को मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि देवा-फतेहपुर मार्ग पर विशुनपुर गांव के पास बीती रात कल्याणी नदी के पुल पर कार और ट्रक में आमने सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में छह लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि किशोर समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को लखनऊ रेफर कर दिया गया। भीषण हादसे के बाद देवा-फतेहपुर मार्ग पर रास्ता जाम हो गया। पुलिस ने जेसीबी मंगा कर दोनों वाहनों को सड़क के किनारे कराया। तब जाकर आवागमन शुरू हो सका।

उन्होंने बताया कि फतेहपुर कस्बा के मुंशीगंज रोड निवासी प्रदीप रस्तोगी का परिवार सोमवार की सुबह नई कार से कानपुर के बिठूर गए थे। वहां से सोमवार की रात वापस फतेहपुर लौट रहे थे। बताते हैं कि कार जैसे ही देवा-फतेहपुर मार्ग पर स्थित कल्याणी नदी पुल पर पहुंची थी कि विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से टक्कर हो गई जिसमें कार के परखच्चे उड़ गए। मौके पर ही छह लोगों की मौत हो गई।

वाहनों की टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। लोगों ने भीषण हादसे की सूचना पुलिस को दी। जानकारी होते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

दो बसों की टक्कर में दर्जनों यात्री घायल, एक गंभीर, मची चीख- पुकार

धनबाद: सोमवार की देर रात राजगंज के चालीबंगला के समीप एक बड़ा हादसा हो गया। जहां दो बसों की आपस में हुई टक्कर से दर्जन भर यात्री घायल हो गए। राजगंज थाना की पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया है।

बताया जा रहा है कि जामताड़ा से दो बसें बोकारो के लिए निकली थीं, मगर दोनों बसों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। दोनों बसें आदिवासी मंच के कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थीं। इस हादसे में दर्जनभर यात्री घायल हुए हैं, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पीछे से आ रही बस ने आगे चल रही दूसरी बस को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बसों के यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। पीछे की बस के ड्राइवर को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि आगे वाली बस में सवार एक यात्री के पैर की हड्डी टूट गई है। इसके अलावा अन्य कई यात्रियों को हल्की-फुल्की चोटें आई हैं।

वहीं, घटना की सूचना मिलते ही राजगंज पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए अस्पताल भेजा। हादसे के बाद सड़क पर लंबा जाम लग गया, इसके बाद पुलिस ने क्रेन की मदद से बसों को हटाकर देर रात यातायात बहाल किया। फिलहाल पुलिस ने दोनों बसों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

गैंगस्टर प्रिंस खान पर धनबाद पुलिस का शिकंजा, वासेपुर समेत कई ठिकानों पर छापेमारी

धनबाद : कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान के खिलाफ धनबाद पुलिस ने मंगलवार की सुबह से बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। हत्या और रंगदारी जैसे गंभीर मामलों में आरोपी प्रिंस खान इन दिनों विदेश में बैठकर अपना गिरोह संचालित कर रहा है। उसके नेटवर्क को तोड़ने के उद्देश्य से पुलिस ने वासेपुर और आसपास के इलाकों में एक साथ छापेमारी अभियान चलाया है। सुबह से ही वासेपुर के रहमतगंज, पंडरपाला और आसपास के इलाकों में पुलिस की कई टीमों ने दबिश दी। कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है।सूत्रों के मुताबिक, यह अभियान प्रिंस खान गिरोह के सक्रिय गुर्गों और सहयोगियों की तलाश में चलाया जा रहा है। मौके पर सिटी एसपी रित्विक श्रीवास्तव, डीएसपी (लॉ एंड ऑर्डर) नौशाद आलम, सीसीआर डीएसपी समेत कई थानों की पुलिस मौजूद है।

पुलिस टीम संदिग्ध ठिकानों की तलाशी के साथ-साथ कई लोगों से पूछताछ भी कर रही है। हालांकि अब तक पुलिस अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने पॉक्सो केसों के दुरुपयोग पर जताई गहरी चिंता, कहा- जागरुकता की सख्त जरूरत

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण (अधिनियम पॉक्सो कानून) का गलत इस्तेमाल बढ़ रहा है। अदालत ने देखा कि इस कानून का उपयोग कई बार पति-पत्नी के झगड़ों या किशोर-किशोरी के आपसी सहमति वाले संबंधों में किया जा रहा है, जो कानून की असली भावना के खिलाफ है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस याचिका में मांग की गई है कि लोगों को दुष्कर्म और पॉक्सो कानून के प्रावधानों के बारे में जागरूक किया जाए, ताकि देश में महिलाओं और लड़कियों के लिए माहौल और सुरक्षित बने।

पॉक्सो एक्ट के गलत इस्तेमाल पर जताई चिंताः इस सुनवाई के

दौरान अदालत ने कहा, 'हम यह देख रहे हैं कि कई बार पॉक्सो एक्ट का इस्तेमाल झगड़ों या किशोरों के आपसी संबंधों में गलत तरीके से किया जा रहा है। इसलिए जरूरी है कि लड़कों और पुरुषों में इस कानून की जानकारी और समझ बढ़ाई जाए।'

2 दिसंबर तक के लिए टली सुनवाईः सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर तक टाल दी है, क्योंकि कुछ राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों ने अभी तक इस मुद्दे पर अपनी राय नहीं दी है। पहले, अदालत ने केंद्र सरकार, शिक्षा मंत्रालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय और फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। वरिष्ठ अधिवक्ता आबाद हर्षद पोंडा ने अदालत से कहा कि लोगों को यह बताया जाना जरूरी है कि निर्भया कांड के बाद दुष्कर्म से जुड़े कानूनों में क्या बदलाव हुए हैं।

याचिका में शिक्षा मंत्रालय को निर्देश देने की मांगः जनहित याचिका में मांग की गई है कि शिक्षा मंत्रालय सभी स्कूलों को यह निर्देश दे कि बच्चों को महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों से जुड़े कानूनों की बुनियादी जानकारी दी जाए। नैतिक शिक्षा को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए ताकि बच्चों को लैंगिक समानता, महिलाओं के अधिकार और सम्मानजनक जीवन के महत्व के बारे में सिखाया जा सके।

दुष्कर्म जैसे अपराधों के दुष्परिणाम-सजा के बारे में करें जागरूकः इस याचिका में यह भी कहा गया है कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा सीबीएफसी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि फिल्मों और मीडिया के माध्यम से जनता को दुष्कर्म जैसे अपराधों के दुष्परिणाम और सजा के बारे में जागरूक किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि लड़कियों की सुरक्षा सिर्फ कानून से नहीं, बल्कि समाज की सोच बदलने से संभव है, और यह बदलाव स्कूल स्तर से शुरू होना चाहिए।

न्यूज IN ब्रीफ

3 बच्चों को छोड़ मां प्रेमी संग हुई फरार, पति बेहाल

गढ़वा : जिले से एक मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक कलयुगी मां अपने तीन छोटे बच्चों को छोड़कर प्रेमी संग भाग गई। महिला घर से नगदी भी समेट ले गई, जिससे पूरे गांव में सनसनी फैल गई है। सारीं सीमाओं को लांघकर प्रेमी के साथ रफूचक्कर हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार, घटना जिले के मेराल थाना क्षेत्र के सोहबरिया गांव का है। महिला ने अपने बच्चों, पति और समाज की परवाह किए बिना प्रेमी संग भागने का फैसला कर लिया। पति काम पर बाहर गया हुआ था। घर लौटने पर जब पत्नी नहीं दिखाई दी तो पता चला कि वह गांव के एक युवक नंदकुली चौधरी के साथ भाग गई है।

इस घटना के बाद पीड़ित पति ने स्थानीय पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित पति ने बताया कि पत्नी तीन छोटे बच्चों को छोड़कर चली गई है। इसके अलावा वह घर से करीब 30 हजार रुपये नकद और कुछ कीमती सामान भी लेकर गई। फिलहाल पुलिस महिला की छानबीन में जुट गई है। उनका आरोप है कि पत्नी ने न केवल विश्वासघात किया, बल्कि अपने ही बच्चों को संकट में डालकर अमानवीय कृत्य किया है। गांव में इस घटना को लेकर आक्रोश और हैरानी का माहौल है। बुजुर्गों और महिलाओं का कहना है कि यह समाज में गिरते नैतिक मूल्यों का संकेत है।

युवक ने की आत्महत्या, पुलिस ने दर्ज किया यूडी केस

खूंटी : जिले के तोरपा थाना क्षेत्र के एनएचपीसी परिसर के एक कमरे में रहने वाले 25 वर्षीय मजदूर हेरमन मुंडू ने साड़ी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि रविवार रात करीब 9 बजे हेरमन के साथ मामूली बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद वह सोने के लिए अपने कमरे में चला गया। सोमवार सुबह काफी देर तक वह कमरे से बाहर नहीं निकला तो परिजनों ने जब कमरे का दरवाजा खोला तो उन्होंने हेरमन को फांसी के फंदे पर लटका हुआ पाया।

सोमवार सुबह 9 बजे परिजनों की सूचना पर तोरपा थाना के पुलिस अवर निरीक्षक अमरेंद्र कुमार मंडल की अगुआई में पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शव को फंदे से उतारवाया और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने परिजनों के आवेदन पर तोरपा थाना में अज्ञात कारण मृत्यु (यूडी कांड) का मामला दर्ज किया है। हेरमन मुरहु थाना क्षेत्र के ओस्केया गांव का निवासी था और तोरपा में रहकर मजदूरी का कार्य करता था। पुलिस मामले की और जांच कर रही है।

दस दिन से लापता अधेड़ का शव एकतरा में कुएं से मिला

चतराः जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के तिलहेत पंचायत अंतर्गत एकतारा गांव में सोमवार शाम खेत में स्थित कुएं से एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिला। शव को ग्रामीणों ने दोपहर करीब 2 बजे देखा और हंटरगंज थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही हंटरगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कुएं से बाहर निकाला।मृतक की पहचान कुब्बा निवासी बैजू भुईयां के 55 वर्षीय पुत्र दशरथ भारती के रूप में हुई है। वह 10 दिन से घर से गायब था।दरअसल, ग्रामीणों ने खेतों की ओर से बदबू आने पर कुएं में झांककर देखा तो एक तैरता हुआ व्यक्ति मिला, जिसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मृतक के पुत्र संतोष भारती ने बताया 23 अक्टूबर की शाम को घर को मेरे पिता जी घर से निकले थे ,लेकिन उसके बाद वे वापस नहीं लौटे। परिवार और ग्रामीण लगातार उनकी खोजबीन में जुटे थे। पुत्र ने आगे बताया कि आसपास के रिश्तेदारों और इलाकों में भी काफी खोजबीन की,परंतु कही कुछ पता नहीं चल सका। दोपहर करीब 2 बजे एकतारा गांव के ग्रामीणों ने बताया कि आपके पिताजी का शव कुएं में तैर रहा है। हालांकि परिजनों ने किसी पर शक संदेह नहीं जताई। उन्होंने पीएम करवाने से साफ इनकार कर दिया।

थाना प्रभारी पर हमला मामले में मेला आयोजन समिति पर केस दर्ज

खूंटीः जिले के लोहागढ़ा में आयोजित एक डेयरी मेले (दुग्ध मेला) में, रनिया थाना प्रभारी विकास कुमार जायसवाल के साथ एक शराब भट्टी (शराब की दुकान) पर भीड़ ने जानलेवा हमला किया। उन्हें लाठी-डंडों से गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। खूंटी जिले के लोहागढ़ा में आयोजित एक डेयरी मेले में थाना प्रभारी पर जानलेवा हमले के मामले ने गंभीर रूप ले लिया है। इस घटना के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए अंचलाधिकारी ने मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष और सचिव के खिलाफ रनिया थाना में मामला दर्ज कराया है। आरोप है कि समिति ने मेले में सुरक्षा के नियमों की अनदेखी की, जिसके चलते यह हिंसक घटना घटी। आरोप है कि आयोजन समिति को पहले ही मेले में स्वयंसेवकों (वॉलिंटियर्स) की तैनाती का निर्देश दिया गया था, लेकिन उन्होंने नियमों की अनदेखी की। इस लापरवाही के कारण थाना प्रभारी, जो कानून-व्यवस्था संभाल रहे थे, पर हमला हुआ।

चक्रवात से एक हजार एकड़ में लगी धान की फसल बर्बाद

चतराः जिले के हंटरगंज प्रखंड में मोंथा चक्रवात से लगातार 5 दिनों से बारिश के कारन सलैया पंचायत के सभी गांवो में धान सड़ने की खबर आई है।बारिश के कारण धान की क्षति लगभग एक हजार एकड़ में होने की बात बताई जा रही है ।इस संबंध में पंचायत के मुखिया मनोज पासवान ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान किसानों से मिले और उनके समस्या से अवगत हुए ।मुखिया ने बताया कि सलैया पंचायत के अंतर्गत दस गांव आते हैं। सभी गांव में धान कटनी हो चुकी थी ।लगातार पांच दिनों के बारिश में पूरा खेत पानी से लबालब भर गया ।जिसके कारण खेत में लगे पांत पूरा तरह से डूब गया और धान के बाली में(झार)अंकुरण हो गया। इस संबंध में मुखिया ने चतरा उपायुक्त एवं राज्य सरकार से किसानों को फसल की मुआवजा दिलाने के लिए मांग किया है।

लोटार डैम में डूबने से एक युवक की मौत

चतराः एक दर्दनाक हादसे में गिद्धौर थाना क्षेत्र के पहरा पंचायत के बरटा गांव के पिंटू भुइयां की रविवार को नदी में डूबने से मौत हो गई। ग्रामीणों के सहयोग से मृतक का शव 17 घंटे बाद कड़ी मशक्कत के बाद सोमवार की अहले सुबह नदी से निकाला गया। शव को सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के पश्चात परिजनो को सौंप दिया गया। ग्रामीण रंजन कुमार ने बताया कि मृतक घर इकलौता कमाऊ सदस्य था। उसकी मौत से घर में आर्थिक तंगी आ गई है।जिससे पूरा परिवार दाने दाने के लिए मोहताज हो गया है। उन्होंने बताया कि मृतक अपने पीछे एक पुत्र और तीन पुत्री को छोड़ गया है। श्री कुमार ने सरकार से मांग रखी है कि मृतक के तीनों पुत्री के विवाह के लिए आर्थिक सहयोग दी जाए। साथ ही उसकी पत्नी को किसी सरकारी विभाग में काम दिया जाए।

खूंटी बाजार टांड़ में चोरों का हमला

छह दुकानों का ताला तोड़ा, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

खूंटी : जिले का बाजार टांड़ इलाका एक बार फिर चोरों की हरकत से सहमा हुआ है। बीती रात्रि में अज्ञात बदमाशों ने यहाँ स्थित छह दुकानों के ताले तोड़ डाले। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि दुकानों से कोई सामान चोरी हुआ है या नहीं, और पुलिस इस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

सोमवार की रात चोरों ने बाजार टांड़ स्थित खूंटी-मुरहू मुख मार्ग पर स्थित विभिन्न दुकानों को निशाना बनाया। घटना की जानकारी मिलने पर दुकानदारों ने खुद ही ताले तोड़े जाने की पुष्टि की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इन दुकानदारों ने दुकानों से सामान न ले जाने की भी आशंका जताई जा रही है, लेकिन एक दुकानदार ने बताया कि उनकी दुकान से एक गैस सिलेंडर गायब है।

जिन दुकानों के ताले तोड़े गए हैं, उनमें गोपाल मिश्रा, सुरेश पिपरिया, कामेश्वर, रोहित धान दुकान और एक बीज दुकान शामिल हैं। इसके अलावा, बाजार टांड़ स्थित एक बैग की दुकान का भी ताला काटा गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बाजार टांड़ में ऐसी

घटनाएं अक्सर घटित होती रहती हैं। उन्होंने इसकी एक बड़ी वजह इलाके में सुबह से ही चलने वाले अवैध शराब (हंडिया-दारू) के कारोबार को बताया। लोगों का आरोप है कि इस अवैध कारोबार के चलते यहाँ असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है, जो ऐसी घटनाओं के लिए जिम्मेदार हैं। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस इलाके में सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि तुरंत कदम उठाए जाने चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की वारदातों पर रोक लग सके। वहीं, पुलिस ने बताया कि मामला सामने आने के बाद से ही जांच शुरू कर दी गई है और हर पहलू पर गौर किया जा रहा है।

घाटशिला की जनता बदलाव के मूड में: देवेन्द्र नाथ महतो

संवाददाता

मुरी : जैसे- जैसे घाटशिला उपचुनाव की तारीख सामने आ रहा है प्रचार प्रसार अभियान का रफ्तार भी बढ़ गया है। घाटशिला उपचुनाव बीजेपी, जेएमएम और जेएलकेएम का त्रिकोणीय मुकाबला है। जेएलकेएम के चुनाव प्रचार प्रसार अभियान का कमान देवेन्द्र नाथ महतो ने संभाला हुआ है। जेएलकेएम चारों प्रखंड में चार ग्रुप का टीम बनाकर गांव - गांव घर- घर प्रचार प्रसार अभियान तेज कर दिया है। आज सभी ग्रुप की टीम अपने- अपने प्रखंड में प्रचार प्रसार करने के पश्चात शाम 3 बजे से फुलडुंगरी से स्टेशन रोड होते हुए राज स्टेट मैदान घाटशिला तक पदयात्रा कार्यक्रम किया गया । पदयात्रा का समापन नुक्कड़ सभा के माध्यम से राज स्टेट मैदान घाटशिला में किया गया।

मौके पर देवेंद्रनाथ महतो ने कहा कि इस बार घाटशिला की जनता नए बदलाव करने के मूड में हैं। घाटशिला क्षेत्र में महंगी महंगी धातु खनिज संपदा से भरा पड़ा है उसके बावजूद घाटशिला क्षेत्र के लोग गरीबी भुखमरी बेरोजगारी पलायन के लिए मजबूर हैं, घाटशिला को एक सच्चे शिक्षित ईमानदार नेतृत्वकर्ता की आवश्यकता है। घाटशिला क्षेत्र के सूरदा माइंस, केदाडीह माइंस, राखा कॉपर माइंस, चापड़ी माइंस, धोबनी माइंस, किशनगढ़िया माइंस के अलावा अन्य माइंस बंद पड़ी हुई है। साथ ही देवेन्द्रनाथ महतो ने कहा कि अगर जेएलकेएम प्रत्याशी रामदास मुर्मू चुनाव जीतता है तो सभी बंद पड़े माइंस को चालू कराया जाएगा। जिसमें स्थानीय लोग को टेंडर दिया जाएगा तथा रोजगार भी स्थानीय लोगों को ही दिया जाएगा।

जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में खूनी झड़प

आधा दर्जन घायल, एक रेफर

चतरा : जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मनगडा गांव में भूमि विवाद ने एक बार फिर खूनी रूप ले लिया है। आपसी जमीन विवाद को लेकर सोमवार की तड़के दो परिवारों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिसमें एक परिवार के कई सदस्य बुरी तरह घायल हो गए।जानकारी के अनुसार, मनगडा गांव निवासी तुलसी यादव, उनकी पत्नी रेनू देवी, उनके पिता, पुत्र और पुत्री को बेरहमी से पीटा गया है। सदर अस्पताल में इलाजरत तुलसी यादव के पुत्र ने बताया कि सुबह करीब 7 बजे उनके गांव के ही रामस्वरूप यादव, जोधी यादव, चांदो देवी तीनों पिता स्व. केतु यादव, रंजन यादव, जमुना देवी, रीना देवी समेत अन्य लोगों ने अचानक उनके घर पर हमला बोल दिया। उन्होंने बताया कि जब तक वे कुछ समझ पाते, हमलावरों ने उन पर बेरहमी से हमला कर दिया, जिससे परिवार के सभी सदस्य घायल हो गए।घायलों को तत्काल सदर अस्पताल लाया गया। गंभीर रूप से घायल तुलसी यादव को प्राथमिक उपचार के बाद, उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। खबर लिखे जाने तक, इस जानलेवा हमले के संबंध में स्थानीय थाना राजपुर में मामला दर्ज नहीं किया गया था। पुलिस से जल्द से जल्द प्राथमिकी दर्ज कर हमलावरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है।

जैन समाज के 200 तीर्थ यात्री का जत्था पहुंचा हंटरगंज

संवाददाता

चतरा : हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र के भोंदल गांव में स्थित भगवान शीतल नाथ की जन्मस्थली श्री भदिलपुर में सोमवार की सुबह दो सौ जैन तीर्थ यात्रियों का जत्था पहुंचा। बताते चलें कि जैन धर्म के चार कल्याणक स्थलों में एक भगवान शीतल नाथ का दिव्य मंदिर भदिलपुर है। सभी जैन तीर्थ यात्री भगवान शीतल नाथ मंदिर का पूजन एवं दर्शन कर सोमवार की रात्रि को दूसरे गंतव्य स्थान की ओर प्रस्थान करेंगे। सभी जैन तीर्थ यात्री श्री सम्मेद शिखरजी यात्रा पर निकले हैं। जैन तीर्थ यात्रियों की यह यात्रा चौबीस अक्टूबर से सात नवंबर तक अजीमगंज, जियागंज, भागलपुर , काकंडी , शिखरजी पावापुरी, सीतामढ़ी, राजगीर जैसे कई जैन तीर्थ स्थलों की यात्रा करेंगे। विजय सिंह भंडारिया के सौजन्य (तत्वाधान) से सभी जैन तीर्थ यात्री तीर्थ स्थलो का भ्रमण कर रहे हैं। सभी तीर्थ यात्री पश्चिम बंगाल से आए हुए हैं।भदिलपुर पहुंचने के बाद सभी जैन तीर्थ यात्रियों ने सम्मान समारोह का कार्यक्रम किया गया। जैन तीर्थ यात्रियों में महिला, पुरुष एवं काफी संख्या मे बच्चे शामिल थे।

सड़कों पर पशुओं की मौत बनी बड़ी समस्या

एक माह के अंदर 15 से अधिक गायों की मौत

कोल वाहनों की चपेट में आकर बेमौत मर रहे हैं पशु

चतरा : शहर में इन दिनों सड़कों पर आवारा पशुओं की मौत एक बड़ी समस्या बन गई है। हर एक दो दिनों में कहीं ना कहीं सड़कों पर वाहनों से कुचल कर पशुओं की मौत हो रही है। इसमें सबसे अधिक संख्या गायों की है। पशुओं की मौत कोल वाहनों की चपेट में आने से हो रही है। शहर में रात्रि नौ बजे नो इंट्री खुलने के बाद शहर के मुख्य सड़क व हेरुवा बाइपास से पुरी रात कोल वाहनों का परिचालन होता है। कोयला लदे ट्रक व हाइवा चालकों का स्पीड इतना अधिक होता है कि सड़क पर बैठे आवारा पशुओं की चपेट में आ जा रहे हैं और उनकी मौत हो जाती है।

दुध बंद होने के बाद गायों को सड़कों पर खुले छोड़ दे रहे हैं पशुपालकः एक आंकड़े के अनुसार शहर में 600 से अधिक आवारा पशुओं का जमावड़ा है। ऐसा नहीं है कि ये पशु जन्मजात आवारा हैं। सभी पशुओं के कोई ना कोई ना मीरा मालिक है। लेकिन पशुओं के लिए दुर्भाग्य है कि दुध बंद होते ही पशु मालिक पशुओं को आवारा की तरह सड़कों पर छोड़ देते हैं।

एक वर्ष में 50 से अधिक गायों की मौत, 500 गायों को बांधा गया रेडियम पट्टाः हिंदू राष्ट्र संघ के नगर अध्यक्ष सह गौरक्षा दल के अभिषेक कुमार ने बताया कि कोल वाहनों की चपेट में आकर पिछले एक माह में 15 गायों की मौत हुई है। जबकि पिछले एक वर्ष में 50 से अधिक पशुओं की मौत वाहनों की चपेट में आने से हुई है। उन्होंने बताया कि हिंदू राष्ट्र संघ व गौरक्षा दल के कार्यकताओं ने शहर में 500 से अधिक पशुओं के गले में रेडियम पट्टा बांध कर पशुओं को दुर्घटना से बचाने की पहल किया गया है। लेकिन रेडियम पट्टा भी पशुओं को बचाने के लिए पुरी तरह कारगर साबित नहीं हो रहा है।

चतरा में दो कानी हाउद बनाने का भेजा गया है प्रस्ताव : जिला पशुपालन पदाधिकारी

चतरा के लिए बड़ी समस्या बन चुका पशुओं की मौत पर जिला पशुपालन पदाधिकारी मो जमालुद्दीन ने कहा कि वाहन दुर्घटना में पशुओं की मौत चिंताजनक है। इसके लिए पशुपालक भी जिम्मेवार हैं। गाय जैसे ही दुध देना बंद करती है लोग गायों को खुला छोड़ देते हैं। लोगों से आग्रह है कि वह अपने पशुओं को खुला नहीं छोड़े। उन्होंने कहा कि आवारा पशुओं के लिए चतरा में दो कानी हाउद बनाने के लिए प्रस्ताव विभाग को भेजा गया है। इसके बन जाने से आवारा पशुओं को इसमें रखने की व्यवस्था की जाएगी।

राजस्व संबंधी मामलों व जनशिकायतों के निष्पादन पर उपायुक्त ने की विस्तृत समीक्षा

अधिकारियों को समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश

संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में राजस्व एवं जनशिकायत कोषांग से संबंधित लंबित प्रकरणों की गहन एवं बिंदुवार समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से भू-हस्तांतरण, एफआरए /एनओसी, भारतमाला परियोजना, सरकारी भवन परिसर से संबंधित भूमि की ऑनलाइन प्रविष्टि, दाखिल-खारिज, भू-मापी, ऑनलाइन पंजी-2 शुद्धिकरण, अपील वाद, राजस्व न्यायालय में लंबित प्रकरण तथा अन्य जनहित से जुड़े मामलों की विभागवार समीक्षा की गई।उपायुक्त ने प्रखंड एवं अंचल स्तर पर लंबित प्रकरणों की संख्या पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी वादों का निष्पादन समय-सीमा के भीतर हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से भू-हस्तांतरण से जुड़े प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कहा कि मंडल कारा, औद्योगिक पार्क, सोलर पार्क एवं नए समाहरणालय भवन निर्माण हेतु चिन्हित भूमि से संबंधित कार्रवाई पर विस्तृत प्रतिवेदन एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराया जाए।बैठक में प्रतापपुर एवं गिद्धौर अंचल में प्रगति असंतोषजनक पाए जाने पर उपायुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की एवं दोनों अंचल अधिकारियों से स्पष्ट स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि

राजस्व से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।जनता दरबार एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि प्रत्येक शिकायत की शत-प्रतिशत ऑनलाइन प्रविष्टि की जाए तथा प्राप्त शिकायतों के निष्पादन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायत निवारण की प्रगति नियमित रूप से ऑनलाइन पोर्टल पर अपडेट की जाए और पात्र लाभुकों को लाभ दिलाने में किसी प्रकार की विलंब ना हो।

इस दौरान उन्होंने राज्य स्थापना दिवस के सफल आयोजन हेतु सभी संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को पूर्व तैयारी पूर्ण करने, कार्यक्रम से जुड़े सभी व्यवस्थाओं के अनुपालन एवं जनसहभागिता सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया।बैठक में अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सनी राज, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी वैभव सिंह, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्रीमती नीतू सिंह, सभी अंचल अधिकारी, संबंधित शाखाओं के प्रभारी अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

सीजीएल परीक्षा पेपर लीक मामले में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

संवाददाता

रांचीः झारखंड हाइकोर्ट ने सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता (सीजीएल)-2023 के तहत 21 व 22 सितंबर को ली गयी परीक्षा में गड़बड़ियों की सीबीआइ जांच को लेकर दायर पीआइएल पर सुनवाई की। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान व जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान सभी का पक्ष सुना। मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद खंडपीठ ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। खंडपीठ ने सभी पक्षों को अपना लिखित बहस चार नवंबर तक प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। वहीं खंडपीठ ने सीजीएल परीक्षा के रिजल्ट प्रकाशन पर पूर्व में लगायी गयी रोक (अंतरिम आदेश) को बरकरार रखा।

पेपर लीक के आरोप को आधारहीन बतायाः इससे पहले वेरिफिकेशन में सफल अभ्यर्थियों दीपक उरांव व अन्य की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता गोपाल शंकर नारायण, वरीय अधिवक्ता वी मोहना व अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि परीक्षा में पेपर लीक का आरोप आधारहीन है। ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिला है, जिससे यह साबित होता है कि पेपर लीक हुआ है। हस्तक्षेपकर्ता की ओर से बहस पूरी होने के बाद प्रार्थियों की ओर से भी पक्ष रखा गया। बताया गया कि राज्य सरकार ने कोर्ट के निर्देश का हवाला देते हुए पूर्व की एसआइटी को खत्म कर दूसरी एसआइटी बना दी, जो गलत है। अनुसंधान सही दिशा में नहीं हो रहा है। सीआइडी जांच निष्पक्ष तरीके से नहीं कर रही है। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए मामले को सीबीआइ को हैंडओवर करना चाहिए, ताकि पेपर लीक की सच्चाई सामने आ सके।

मामले की सीबीआइ जांच की मांगः प्रार्थी प्रकाश कुमार व अन्य की ओर से पीआइएल दायर की गयी है। इसमें सीजीएल परीक्षा रद्द करने तथा पूरे मामले की सीबीआइ से जांच कराने की मांग की गयी है। परीक्षा में पेपर लीक, पेपर का सील खुला होना और बड़ी संख्या में प्रश्नों को रिपीट करने जैसी गड़बड़ियों के आरोप लगाये गये हैं। सीजीएल परीक्षा-2023 में 3,04,769 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। विभिन्न विभागों में 2025 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति होनी है।

महिला सुपरवाइजरों की नियुक्ति प्रक्रिया पर अगले आदेश तक रोक

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने महिला सुपरवाइजरों की नियुक्ति मामले में सुनवाई करते हुए नियुक्ति प्रक्रिया पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई 6 नवंबर को निर्धारित की गई है।

सुनवाई के दौरान प्रार्थी और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की ओर से पक्ष रखा गया। कोर्ट को बताया गया कि नियुक्ति में किसी वर्ग को शत-प्रतिशत आरक्षण नहीं दिया जा सकता है क्योंकि इसमें सिर्फ महिलाओं से ही आवेदन मांगा गया है। वहीं, जेएसएससी की ओर से पक्ष रखते हुए अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने कोर्ट को बताया कि यह नियुक्ति सिर्फ महिला कैडर के लिए ही निकाली गई है। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने भी पक्ष रखा।

शैक्षणिक योग्यता को लेकर भी है विवादः यह मामला जेएसएससी द्वारा बाल कल्याण विभाग में महिला सुपरवाइजर के 421 पदों पर नियुक्ति के लिए जारी किए गए विज्ञापन से संबंधित है। प्रार्थी भी इस परीक्षा में शामिल हुए थे, लेकिन आयोग ने यह कहते हुए उनका चयन नहीं किया कि उनकी शैक्षणिक योग्यता विज्ञापन की शर्तों के अनुरूप नहीं है।

प्रार्थियों का कहना है कि उनके पास विज्ञापन में निर्धारित मुख्य विषय की बजाय सहायक विषयों की डिग्री है, जबकि नियुक्ति नियमावली में ऐसा नहीं है। यह विवाद भी सुनवाई का एक प्रमुख बिंदु बना हुआ है। प्रार्थी और जेएसएससी दोनों के पक्ष सुनने के बाद कोर्ट ने नियुक्ति पर लगी रोक को फिलहाल बरकरार रखा है और मामले की अगली सुनवाई 6 नवंबर को होगी।

झारखंड के मत्स्य कृषकों के पन्द्रह सदस्यीय दल का आंध्र प्रदेश दौरा

मत्स्य उत्पादन के अत्याधुनिक तकनीक से हुए रूबरू

रांचीः झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन व सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के निर्देश पर राज्य के 15 कृषकों का दल आन्ध्र प्रदेश के पांच दिवसीय दौरे पर है। इस दौरान मंगलवार को मत्स्य कृषकों ने आंध्र प्रदेश के ऐलुर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र (वेंकटारमना) का भ्रमण किया। इस क्रम में मत्स्य कृषकों ने मछली पालन की आधुनिकतम तकनीकों का अवलोकन किया। टीम में रांची सदर, बेड़ो, मांडर, चाईबासा व कोडरमा के मत्स्य कृषक शामिल हैं। पांच दिवसीय प्रशिक्षण व एक्सपोजर विजिट की व्यवस्था नेशनल फिशरीज डेवलपमेंट बोर्ड (एनएफबीबी), हैदराबाद के सौजन्य से की गई है। विभागीय सचिव अबु बकर सिद्दीख पी, झारखंड मत्स्य निदेशालय के निदेशक डॉ एचएन द्विवेदी ने मत्स्य कृषकों के सफल प्रशिक्षण व दौरे की सफलता की शुभकामनाएं दी है। उक्त जानकारी मत्स्य किसान प्रशिक्षण व अनुसंधान केन्द्र, शालीमार, धुर्वा, रांची के मुख्य अनुदेशक प्रशांत कुमार दीपक ने दी।

जिला दण्डाधिकारी–सह उपायुक्त का कार्यालय, गुमला
(सामाजिक सुरक्षा कोषांग)
दूरभाष संख्या – 06524–796622
E- Mail – socialsecuritygumla@gmail.com

अति अल्पकालिन निविदा

गुमला जिले में विभिन्न प्रकार के आउटडोर/इन्डोर प्रचार–प्रसार (फ्लैक्स/होर्डिंग/पोस्टर, पम्पलेट/दिवार लेखन/स्टैंडी/विभिन्न प्रपत्र इत्यादि से संबंधित कार्यों हेतु फर्मों को सूचीबद्ध करने एवं दर निर्धारण के लिए अनुभवी एवं प्रतिश्ठित एजेंसियों/फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाता दिनांक 11.11.2025 के अपराहन् 3:00 बजे तक तकनीकी बीड एवं वित्तीय बीड अलग–अलग मुहरबंद लिफाफे में जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, गुमला में जमा कर सकते हैं। निर्धारित तिथि एवं समय के बाद निविदा किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं होगी। प्राप्त निविदाओं को दिनांक 12.11.2025 को अपराहन् 12:00 बजे गठित जिला स्तरीय क्रय समिति के समक्ष निविदादाताओं की उपस्थिति में खोला जाएगा। जिन निविदादाताओं का तकनीकी बीड निविदा निश्पादन समिति (क्रय समिति) द्वारा स्वीकृत किया जाएगा उन्हीं निविदादाताओं के वित्तीय बिड खोले जायेंगे।

निविदा की शर्तें तकनीकी/वित्तीय बिड का प्रारूप एवं अन्य जानकारी कार्यालय के सूचना पट्ट के साथ–साथ वेबसाईट https://gumla.nic.in/ पर भी देखा जा सकता है।

सहायक निदेशक,
सामाजिक सुरक्षा कोषांग,गुमला

PR 365206 (Social Welfare,Women and Child Development)25-26*D

जिला पशुपालन कार्यालय, राँची

जोड़ा बैल वितरण योजनान्तर्गत आवेदन का आमंत्रण

सरकार के सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग झारखण्ड सरकार के राज्यादेश सं० 25 रा० वि०, दिनांक 06.10.2025 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में जोड़ा बैल वितरण योजनान्तर्गत पशुपालन प्रक्षेत्र की योजनान्तर्गत राँची जिला के छोटे एवं सीमान्त किसानों को खेती करने के लिए उद्देश्य से Castrated नर बाछाओं का जोड़ा बैल के रूप में वितरण की योजना है। इस योजना में अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति/आदिम जनजाति के बी०पी०एल० श्रेणी के लाभुकों को प्राथमिकता के आधार पर ग्राम सभा द्वारा चयन किया जाना है। ग्राम सभा की अनुशंसा के साथ पूर्ण विवरण सहित आवेदन संबंधित प्रखण्डों के प्रखण्ड स्तरीय चयन समिति के माध्यम से जिला पशुपालन पदाधिकारी, राँची के नाम से आमंत्रित किया जाता है :–

क्र०सं०	योजना का नाम	लक्ष्य	योजना राशि	अनुदान	लाभुक वर्ग
01	जोड़ा बैल वितरण	63	40,000=00	90 %	अनूसूचित जनजाति/अनूसूचित जाति/आदिम जनजाति के बी०पी०एल० श्रेणी

पशुपालन प्रक्षेत्र से संबंधित योजनाओं में लाभुकों का चयन हेतु अर्हता निम्नवत् होगी।

1. इस योजना के अन्तर्गत लाभुकों का चयन ग्राम सभा से कराते हुए चयनित सूची पर प्रखण्ड स्तरीय चयन समिति द्वारा लाभुकों का अनुशंसा किया जायेगा।
2. योजना का लाभ राज्य के अनु०जा०/अनु०ज०जा०/आदिम जनजाति एवं दिव्यांग जनों को प्राथमिकता दी जायेगी।
3. चयनित लाभुक स्थानीय निवासी हो।
4. ऐसे लाभुक का चयन किया जाएगा जो पशुधन के गतिविधि से जुड़े है, लाभुक के पास खेती योग्य भूमि हो एवं बी०पी०एल० कोटि के श्रेणी में आते हो।
5. योजना अन्तर्गत चयनित प्रत्येक लाभुकों का Escrow Account/Dedicated Account संबंधित DAHO के द्वारा अनिवार्य रूप से खोला जाएगा एवं अनुदान की राशि Escrow Account/Dedicated Account में ही हस्तानांतरित की जाएगीं।
6. पशुपालन योजना के अन्तर्गत योजना का क्रियान्वयन 90% अनुदान की राशि एवं लाभुक अंशदान 10% की राशि पर होगा।
7. पशु–पक्षियों की आपूर्ति नियमानुसार पशुपालन निदेशालय से निबंधित/सूचीबद्ध आपूर्तिकर्त्ता के द्वारा किया जायेगा।
8. आवेदन प्रपत्र संबंधित प्रखण्ड के प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी, कार्यालय से प्राप्त किया जा सकेगा।
9. इच्छुक पशुपालक अपने आवेदन के साथ ग्राम सभा के रजिस्टर में अंकित ग्राम सभा के बैठक की अनुशंसित सूची की छायाप्रति के साथ अपने प्रखण्ड के प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी के पास निर्धारित तिथि – 12.11.2025 तक कार्यालय अवधि में जमा करना सुनिश्चित करेंगे। विलम्ब से प्राप्त होने पर आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।
10. सभी तरह से पूर्ण आवेदन प्रखण्ड स्तरीय चयन समिति से अनुशंसित सूची जिला पशुपालन पदाधिकारी कार्यालय में दिनांक – 18.11.2025 तक प्राप्त किया जायेगा।

निवेदक
जिला पशुपालन पदाधिकारी, राँची

PR.NO.365155 Animal Husbandry(25-26):D

अंजुमन इस्लामिया चुनाव 2025 की प्रक्रिया पर उठ रहे सवाल

वोटर लिस्ट व तारीख का ऐलान अब तक अधर में : जुनैद आलम

मेट्रो रेज

रांची : रांची अंजुमन इस्लामिया 2025 के चुनाव की प्रक्रिया 30 अक्टूबर की शाम चार बजे समाप्त हो गई। विभिन्न पंचायतों, तंजीमों,विभिन्न क्लब, मदारिस और मस्जिदों से वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराने के लिए बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं। चुनाव संयोजक के अनुसार अब तक 1200 से अधिक आवेदन जमा किए गए हैं। हालांकि, अंतिम दिन तक कितने लोगों से आवेदन प्राप्त हुए हैं, इसकी सही संख्या चुनाव संयोजक की ओर से अभी तक जारी नहीं की गई है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि इस बार वोटरों की तादाद में जबरदस्त इजाफा संभव है, वहीं, मतदान की तारीख की घोषणा अब तक नहीं की गई है, जिससे उम्मीदवारों और आम मतदाताओं में बेचैनी देखी जा रही है। वोटर लिस्ट कब जारी होगी, इस पर भी चुनाव संयोजक की ओर से कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। एक सवाल के जवाब में जुनैद आलम ने कहा , बड़ी संख्या में फर्जी आवेदन जमा होने की आशंका भी जताई जा रही है, जिससे चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इन तमाम परिस्थितियों के बीच उम्मीदवार चुनाव प्रचार में सक्रिय हैं। अब देखना यह होगा कि चुनाव संयोजक पहले वोटर लिस्ट जारी करते हैं या फिर मतदान की तारीख का ऐलान करते हैं।

सरकार का निर्णय सराहनीयः तुषार कांति शीट

संदर्भ : नो रिप्लेसमेंट पॉलिसी

मेट्रो रेज

रांची: शहर के जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता व वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के सचिव तुषार कांति शीट ने कहा है कि ब्लड बैंक (रक्त अधिकोष) में रिप्लेसमेंट डोनेशन पूरी तरह बंद किए जाने का झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी निर्देश सराहनीय है। इसे पूरी तरह सफलीभूत करने के लिए रक्तदान के नेटवर्क को संगठित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि फिलहाल झारखंड में जागरूक रक्तदाताओं की संख्या कम है। रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करने और ब्लड बैंक में सुविधाएं बढ़ाने के के लिए सरकार को गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। श्री शीट ने कहा कि रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करने और रक्तदान शिविरों के आयोजकों को सम्मानित करने की दिशा में भी सक्रियता बढ़ाने की आवश्यकता है। वर्तमान में राज्य में रक्त की आपूर्ति और मांग के बीच संतुलन बनाए रखना भी एक बड़ी चुनौती है। रिप्लेसमेंट डोनेशन पूरी तरह बंद होता है, तो पूरी व्यवस्था रक्तदान शिविरों पर निर्भर हो जाएगी। ऐसे में सामाजिक संस्थाओं, युवाओं और शैक्षणिक संस्थाओं को नियमित रक्तदान शिविर आयोजित करने के लिए प्रेरित करना होगा।

श्री शीट ने कहा कि झारखंड हाई कोर्ट के 25 वें स्थापना दिवस (सिल्वर जुबली) के अवसर पर हाई कोर्ट परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाना स्वागत योग्य है। शिविर का शुभारंभ झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान ने किया। मुख्य न्यायाधीश की धर्मपत्नी डॉ। अमनदीप चौहान ने भी स्वैच्छिक रक्तदान कर शिविर में उपस्थित लोगों को रक्तदान के प्रति प्रेरित किया। इस अवसर पर 126 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जो विशेष रूप से थैलेसीमिया जैसे गंभीर रोग से पीड़ित मरीजों के लिए जीवनदायिनी साबित होगा।

श्री शीट ने ब्लड डोनेशन कैंप के आयोजन के प्रति सामाजिक संगठनों को बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाने की अपील की।

तुर्किश एयरलाइंस ने सुलैमानीया के लिए फिर शुरू कीं उड़ानें

रांची : तुर्किश एयरलाइंस ने अप्रैल 2023 से बंद पड़ी इस्तांबुल-सुलैमानीया उड़ान सेवा दोबारा शुरू की है। अब यह उड़ानें सप्ताह में चार दिन (सोमवार, गुरुवार, शुक्रवार और रविवार) चलेंगी। मार्च 2026 से इसे रोजाना किया जाएगा। एयरलाइंस के चेयरमैन अहमेत बोलात ने कहा कि नई सेवा से तुर्की और इराक के बीच व्यापारिक व सांस्कृतिक संबंध और मजबूत होंगे।

पीडीएस डीलरों को मिलेगा 14 माह का बकाया कमीशन, सरकार ने जारी किए 52 करोड़

रांची : सरकार ने राज्य के 25 हजार से ज्यादा पीडीएस डीलरों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने उनके 14 महीने से रूके कमीशन का भुगतान करने के लिए 52 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी कर दी है।

यह पैसा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत मिलने वाले डीलर कमीशन और खाद्यान्न ढुलाई के लिए दिया जाएगा। एसएनए-स्पर्श प्रणाली के जरिए पीडीएस डीलरों को कमीशन ऑनलाइन सीधे उनके बैंक खातों में भेजा जाएगा।

केंद्र के बाद राज्य ने भी जारी की राशि : बता दें कि केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2025 में 38.76 करोड़ रुपये की मंजूरी दी थी। इसके बाद राज्य सरकार ने टॉप-वस्त्र राशि के रूप में 52.03 करोड़ रुपये देने का फैसला किया। इससे पहले मई और जुलाई में कुल 72 करोड़ रुपये से ज्यादा का आवंटन किया गया था।

रांची के डीलरों को भी जल्द मिलेंगे पैसेः रांची जिले में लगभग 2000 डीलर हैं। इनमें से 1800 डीलरों के बैंक विवरण पूरे हो गए हैं। बाकी डीलरों के खातों में सुधार का काम चल रहा है। विभाग का कहना है कि अगले 15 दिनों में सभी डीलरों को पैसा मिल जाएंगे।

पारदर्शी तरीके से होगा भुगतानः स्पर्श प्रणाली से भुगतान किया जाएगा, ताकि किसी तरह की गड़बड़ी न हो। राज्य स्तर पर खाद्य एवं उपभोक्ता निदेशालय इसकी निगरानी करेगा और जिला आपूर्ति पदाधिकारी को भुगतान की जिम्मेदारी दी गई है।

मैक्स हॉस्पिटल वैशाली के चिकित्सकों ने रांची में की जटिल 'लिंब सेविंग सर्जरी'

रांचीः मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली (गाजियाबाद, दिल्ली-एनसीआर) के चिकित्सकों ने झारखंड निवासी 31 वर्षीय मरीज पर एक अत्यंत जटिल 'लिंब सेविंग सर्जरी सफलतापूर्वक की।

इस संबंध में झारखंड कैंसर सेंटर में आयोजित प्रेसवार्ता में डॉ। विवेक शर्मा ने बताया कि मरीज कुणाल खन्ना, 'रीकरेंट सिनोवियल कॉन्ड्रोमैटोसिस' नामक एक दुर्लभ और प्रगतिशील बेनाइन ट्यूमर से पीड़ित थे, जो घुटने के जोड़ को प्रभावित करता है। इस बीमारी के कारण उनके पैर में जकड़न, चलने-फिरने में कठिनाई और लगातार दर्द हो रहा था। डॉ वर्मा ने झारखंड कैंसर सेंटर के साथ मिलकर ऑथोपेडिक ऑन्कोलॉजी एवं जॉइंट रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी की एक्सक्लूसिव ओपीडी सर्विसेज शुरू करने की घोषणा की।

डॉ वर्मा ने कहा कि हड्डियों-जोड़ों के दर्द व सूजन को हल्के में न लें। तुरंत विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श करें। डॉ वर्मा हर महीने के पहले गुरुवार को दोपहर एक बजे से तीन बजे तक झारखंड कैंसर सेंटर, हजारीबाग में परामर्श और फॉलो अप के लिए उपलब्ध रहेंगे।

डॉ वर्मा ने कहा कि मरीज कुणाल के पैर की हड्डियां असंतुलित हो गई थीं, जिससे उन्हें चलने में काफी परेशानी और दर्द हो रहा था। उन्होंने हमारी रांची ओपीडी में परामर्श लिया, जहां उन्हें मैक्स हॉस्पिटल वैशाली में रिकंस्ट्रक्टिव ऑथोपेडिक सर्जरी की सलाह दी गई। लगभग चार घंटे चली एडवांस्ड लिंब स्पैरिंग रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के बाद अब वे आराम से चल पा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि सर्जरी के बाद मरीज को ऑर्थो रिहेबिलिटेशन यूनिट में गहन फिजियोथेरेपी दी गई। कुछ ही दिनों में श्री खन्ना ने पूरे वजन के साथ स्वतंत्र रूप से चलना शुरू कर दिया वर्षों की असमर्थता के बाद उन्होंने अपनी गतिशीलता और आत्मविश्वास दोबारा हासिल किया। डॉ विवेक ने बताया कि ऐसी एडवांस्ड लिंब स्पैरिंग रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरीज ने बोन और सॉफ्ट टिशू ट्यूमर्स के परिणामों को एक नई दिशा दी है। ऑन्कोलॉजी प्रिंसिपल्स को मॉडर्न रिकस्ट्रक्टिव टेक्निक्स के साथ जोड़कर हम अब मरीज के अंग को सुरक्षित रखते हुए उसकी कार्यक्षमता बहाल कर सकते हैं।

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
(भूमि संरक्षण निदेशालय, झारखण्ड)
कार्यालय – भूमि संरक्षण पदाधिकारी, खूँटी

कृषि उपकरण बैंक की स्थापना एवं पम्प सेट वितरण हेतु निर्माताओं/ आपूर्तिकर्त्ताओं एवं अधिकृत विक्रेताओं हेतु महत्वपूर्ण सूचना

सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची के **राज्यादेश सं0– 52 दिनांक 16.08.2024** के निदेशानुसार वित्तीय वर्ष 2024–25 हेतु महिला स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल/कृषक समूहों को योजना लागत रूपये 6.25 लाख का 80 प्रतिशत या अधिकतम अनुदान रूपये 5.00 लाख पर छोटे कृषि उपकरण बैंक की स्थापना हेतु **मिनी ट्रैक्टर, पावर टीलर, सहायक कृषि यंत्र, राईस ट्रांसप्लांटर एवं कृषि प्रसंस्करण यंत्र** इत्यादि के वितरण का प्रस्ताव है।

व्यक्तिगत कृषकों के लिए अधिकतम योजना लागत रू0 2.00 लाख (दो लाख रूपये) रखे जाने एवं इसका 80 प्रतिशत या अधिकतम अनुदान रू0 1.60 लाख (एक लाख साठ हजार रूपये) उपलब्ध कराया जायेगा।

मनरेगा अंतर्गत निर्मित सिंचाई कूपों के लाभान्वित छोटे और सीमान्त कृषकों/स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल/कृषक समूह तथा साथ ही साथ भूमि संरक्षण निदेशालय द्वारा गत वित्तीय वर्षो में तालाब जीर्णोद्धार योजना एवं जलनिधि योजना के तहत् निर्मित परकोलेशन टैंक के लाभान्वित पानी पंचायत के सदस्यों एवं अन्य श्रोत से लाभान्वित कृषकों को भी उक्त योजना के तहत् पम्पसेट **(1.5 – 3.0 H.P. तथा 3.5 – 5.0 H.P.)** एवं **200 फीट HDPE Pipe (63-75mm)** तथा **1.0** एच0पी0 सोलर पम्पसेट (Troly Mounted Movable Type) उपलब्ध कराया जायेगा।

सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची के **राज्यादेश सं0– 53 दिनांक 16.08.2024** के निदेशानुसार वित्तीय वर्ष 2024–25 एवं 2025–26 में कृषक समूहों, महिला स्वयं सहायता समूहों, पानी पंचायतो, जलछाजन समितियों, लैम्पस–पैक्स एवं अन्य संगठनों को **"मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना"** अन्तर्गत **34.0-40.0max PTO HP ps एक बड़ा ट्रैक्टर** एवं इस के साथ कम से कम दो कृषि यंत्रों के क्रय करने पर कुल पैकेज राशि रू0 10.00 लाख में बड़े ट्रैक्टर पर अधिकतम अनुदान 50 प्रतिशत एवं दो कृषि यंत्रों के क्रय करने पर अधिकतम अनुदान 80 प्रतिशत देय परन्तु कुल अधिकतम अनुदान रू0 5.00 लाख ही देय होगा।

जिले के कृषक समूहों, महिला स्वयं सहायता समूहों, पानी पंचायतों, जलछाजन समितियों, लैम्पस–पैक्स एवं अन्य कृषक संगठनों के वैसे कृषक समूह जिनके पास पूर्व से बड़ा ट्रैक्टर उपलब्ध हो एवं मात्र सहायक कृषि यंत्र क्रय करना चाहेंगे या अतिरिक्त कृषि यंत्र चाहेंगे उनको भी एक या एक से अधिक बड़े ट्रैक्टर चालित कृषि यंत्रों के क्रय के लिए रू 3.00 लाख तक के लागत के कृषि यंत्रों का 80 प्रतिशत या अधिकतम अनुदान रू0 2.00 लाख देय होगा।

विभागीय योजनान्तर्गत वितरित किये जाने वाले सभी प्रकार के **पम्प सेट, मिनी ट्रैक्टर, पावर टीलर, सहायक कृषि यंत्र, राईस ट्रांसप्लांटर एवं कृषि प्रसंस्करण यंत्र तथा बड़ा ट्रैक्टर एवं सहायक कृषि यंत्र** इत्यादि का तकनीकी विशिष्टताओं तथा **Expression of Interest (EOI)** का निर्धारण निदेशक, भूमि संरक्षण, झारखण्ड, राँची के **कार्यालय आदेश सं0–920/राँची, दिनांक–30.10.2025** द्वारा किया जा चुका है।

अतः सभी निर्माताओं/आपूर्तिकर्त्ताओं एवं उनके अधिकृत विक्रेताओं से अनुरोध है कि दिनांक 07.11.2025 को 11:00 पूर्वाहन से अपने पम्प सेट, मिनी ट्रैक्टर, पावर टीलर, सहायक कृषि यंत्र, राईस ट्रांसप्लांटर एवं कृषि प्रसंस्करण यंत्र तथा बड़ा ट्रैक्टर एवं सहायक कृषि यंत्र इत्यादि का प्रदर्शन दर के साथ भूमि संरक्षण पदाधिकारी, खूँटी के कार्यालय परिसर में करें, ताकि पम्प सेट के लाभुक, महिला स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल/कृषक समूहों, पानी पंचायतो, जलछाजन समितियों, लैम्पस–पैक्स एवं अन्य संगठन अपनी पसंद एवं आवश्यकता के अनुरूप उक्त योजना के तहत् छोटे कृषि उपकरण बैंक की स्थापना हेतु कृषि यंत्रों का चयन कर सके।

प्रदर्शन का स्थल :–
कार्यालय का पता– भूमि संरक्षण पदाधिकारी, खूँटी
संयुक्त कृषि भवन, खूँटी

भूमि संरक्षण पदाधिकारी,
खूँटी।

PR 365164 (Agriculture) 25-26 (D)

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

अंततः विश्व चैंपियन

हम तो भारत की बेटियों को पहले ही चैम्पियन घोषित कर चुके थे, लेकिन आधिकारिक नतीजा 2 नवम्बर को सामने आया। महिला क्रिकेट विश्व कप में टीम इंडिया ने, अंततः, परचम लहराया। विश्व चैम्पियन बनी। एक शून्यता भरी गई। फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीकी टीम को 52 रन से शिकस्त दी। यकीनन यह जीत और सिरमौर बनने की ललक, तड़प, खेल का जुनून और जज्बा, आक्रामकता सब कुछ अपने निष्कर्ष तक पहुंचे और भारत विश्व चैम्पियन बन गया। बेशक शानदार जीत है, टीम इंडिया ने पहली बार वैश्विकता का इतिहास रचा है, मील-पत्थर तो कई स्थापित किए जा चुके हैं। अब टीम इंडिया खाली हाथ नहीं है, अंतिम चरण की अभिशप्त टीम नहीं है, पराजय का एहसास विजय में तबदील हो गया है। अब ऑस्ट्रेलिया (7 बार), इंग्लैंड (4 बार), न्यूजीलैंड (एक बार) के बाद भारत भी विश्व चैम्पियन टीम का चौथा देश है। देश गर्व और गौरव के साथ वे पल भी याद कर रहा है, जब 1983 में विश्व चैम्पियन की ट्रॉफी तत्कालीन पुरुष टीम के कप्तान कपिल देव ने हासिल की थी। पूरा विश्व हैरान था, लेकिन उल्लसित भी था, क्योंकि क्रिकेट की एक नई शक्ति का उदय हुआ था। तब विश्व में कोई भी उम्मीद नहीं करता था कि वेस्टइंडीज की तूफानी टीम को भारत की अपेक्षाकृत कमजोर टीम पराजित कर सकती है, लेकिन टीम इंडिया ने अनहोनियों को साकार किया। उसी से प्रेरित होकर, जीत के जज्बे और जुनून के साथ, एमएस धोनी के नेतृत्व में विराट कोहली, सहवाग, युवराज सिंह, गौतम गंभीर आदि की पीढ़ी ने अपने खेल को ऐसा तराशा कि टीम इंडिया 2 अप्रैल, 2011 को दूसरी बार, एकदिनी क्रिकेट की, विश्व चैम्पियन बनी। इस बार भी तारीख 2 ही थी, शहर भी मुंबई था, बेशक महीना नवम्बर का था और हम महिला क्रिकेट के भी विश्व चैम्पियन बने। टीम इंडिया ने अपनी पराजयों, खालीपन, निराशा, जीत छिटकने के तनावों से बहुत कुछ सीखा।

अंततः शीर्ष तक पहुंच कर खुद को साबित किया। बेशक खिताबी जीत सामूहिक होती है, लेकिन शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा के खेल, अंततः, टर्निंग प्वाइंट और निर्णायक बने। शेफाली को विश्व कप टीम से बाहर रखा गया था। वह रिजर्व खिलाड़ी भी नहीं थी, लेकिन अंतिम मुकाबले के लिए उन्हें अचानक बुलाया गया, क्योंकि सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल चोटिल हो गई थीं। शेफाली ने 87 रन (78 गेंद) की सर्वश्रेष्ठ पारी ही नहीं खेली, बल्कि सलामी जोड़ीदार स्मृति मंधाना के साथ 104 रनों (106 गेंद) की साझेदारी भी निभाई और खेल को एक ठोस शुरूआत दी। महिला एकदिनी क्रिकेट विश्व कप के 13 संस्करणों के इतिहास में यह सिर्फ दूसरी बार हुआ, जब सलामी जोड़ी ने फाइनल मुकाबले में शतकीय साझेदारी की है। शेफाली ने प्रतिद्वंद्वी टीम के दो प्रमुख बल्लेबाजों- लुस और काप-को भी आउट किया। इस तरह शेफाली ने विश्व कप अर्द्धशतक और 2 विकेट चटकाने की दोहरी उपलब्धि भी हासिल की। दीप्ति शर्मा ने विश्व कप में 215 रन ठोंके और 22 सर्वाधिक विकेट लेकर एक और इतिहास रचा। विश्व कप के इतिहास में एक और कीर्तिमान दीप्ति के नाम दर्ज हो गया, लिहाजा उन्हें प्लेयर ऑफ दि टूर्नामेंट के सम्मान से नवाजा गया। शेफाली को प्लेयर आफ दि मैच आंका गया और सम्मानित किया गया। दीप्ति ने ही अफ्रीकी टीम की विस्फोटक बल्लेबाज एवं कप्तान लॉरा वोल्वार्ट (101) को आउट किया और वहीं से खेल टीम इंडिया के पाले में सरक आया। हमारी सलामी बल्लेबाज एवं उपकप्तान स्मृति मंधाना ने भी कुल 434 रन बनाए, जो विश्व कप के एक संस्करण में किसी भी भारतीय बल्लेबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। स्मृति लॉरा (571 रन) के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। भारत में महिला क्रिकेट काफी उपेक्षित रही है। पुरुष खिलाड़ियों की तुलना में महिला क्रिकेटरों के वेतन, भत्ते, अनुबंध, रिटायरमेंट के बाद की सुविधाएं और पैकेज आदि बहुत कम हैं। बीसीसीआई ने कुछ साल पहले ही महिला क्रिकेट का प्रभार संभाला है। अब महिलाएं भी विश्व चैम्पियन हैं और यह निरंतरता बरकरार रहनी चाहिए। शीर्ष पर पहुंचने के अपने ही तनाव होते हैं, लिहाजा महिला टीम को टेस्ट और टी-20 क्रिकेट में भी साबित करना है। बहरहाल देश की बेटियों को बार-बार शाबाश और सलामङ्घ। भारत की यह जीत निश्चित ही उत्साहजनक है। भविष्य में भी इसी तरह के खेल की अपेक्षा रहेगी।

खामियों ने ली जान

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई भगदड़ में व्यवस्था की खामी जिम्मेदार है। मंदिर प्रबंधन और राज्य सरकार दोनों ही पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि यह घटना भीड़ प्रबंधन में लापरवाही का नतीजा है। पिछले हादसों से सबक न लेना चिंताजनक है। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में मची भगदड़ से हुई मौतों के लिए व्यवस्था की खामी जिम्मेदार है। ऊपर से घटना के बाद जिस तरह से बयान दिए जा रहे हैं, वह पीड़ितों के जले पर नमक छिड़कने जैसा है। जानकारी क्यों नहीं । यह मंदिर कुछ महीने पहले ही खोला गया था और राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि जिले के अधिकारियों को इसके बारे में जानकारी नहीं थी। हालांकि इससे यह जवाबदेही खत्म नहीं हो जाती कि एक धार्मिक स्थल पर क्षमता से कई गुना ज्यादा लोग जुटते चले गए, और फिर भी स्थानीय पुलिस-प्रशासन को भनक कैसे नहीं लगी।

लापरवाही पड़ी भारी : सरकार और मंदिर प्रबंधन की बातों से लग रहा है कि दोनों पक्ष घटना से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। मंदिर का निर्माण ओडिशा के जिस शख्स हरि मुकुंद पांडा ने कराया है, उनका कहना है कि सीढ़ियों की रेलिंग टूटने से हादसा हुआ। लेकिन, यही वजह तो काफी नहीं। भगदड़ मचने के बाद श्रद्धालुओं को बाहर जाने का रास्ता नहीं मिल पाया, वह व्यवस्थापकों की लापरवाही का नतीजा है।

पीड़ितों का मजाक : मंदिर में आने-जाने का एक ही रास्ता था और जब भीड़ अनुमान से अधिक बढ़ती चली गई, तब भी पुलिस-प्रशासन को सूचित नहीं किया गया। इस पर पांडा का कहना कि इस घटना के लिए कोई जिम्मेदार नहीं, यह एक्ट ऑफ गॉड है - बेहद शर्मनाक है। यह उन लोगों की पीड़ा का मजाक उड़ाने जैसा है, जिन्होंने अपनों को खोया।

कई हादसे । चिंता की बात यह है कि पिछले हादसों से कोई सबक सीखने को तैयार नहीं है। केवल आंध्र में ही इस साल यह तीसरी बड़ी दुर्घटना है। जनवरी में तिरुपति और अप्रैल में विशाखापत्तनम के सिम्हाचलम में भगदड़ से कई मौतें हुई थीं। पूरे देश में इस साल अभी तक भगदड़ की विभिन्न घटनाओं में 114 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

कब सीखेंगे सबक : तमिलनाडु के करूर में तमिल सिनेमा के सुपरस्टार थलपति विजय की रैली में हुआ हादसा हो या फिर श्रीकाकुलम की घटना - कुछ गलतियां बार-बार दोहराई जा रही हैं। हादसों के बाद सबक लेने के बजाय जिम्मेदार लोग और संस्थाएं बचने का रास्ता तलाशने लगते हैं। सरकारों को समझना होगा कि क्राउड मैनेजमेंट भारत जैसे देश की जरूरत है। मुआवजे की घोषणा करके मामले को हल्का किया जा सकता है, लेकिन जवाबदेही तय हो और लापरवाही पर सजा मिले।

वृद्धावस्था: भारत की दीर्घायु को शक्ति में बदलना

भारत आज जनसांख्यिकीय परिवर्तन के मुहाने पर खड़ा है। हालाँकि देश अपेक्षाकृत युवा है, जिसकी औसत आयु मात्र 28 वर्ष है, फिर भी बुजुर्ग नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। 2031 तक, लगभग 19.4 करोड़ लोग 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के होंगे, और 2050 तक, हर पाँच में से एक भारतीय बुजुर्ग होगा। यह जनसांख्यिकीय परिवर्तन, घटती जन्म दर, प्रसवकालीन और शिशु मृत्यु दर में कमी, बेहतर पोषण, संक्रामक रोगों की प्रभावी रोकथाम और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण हो रहा है। यह बदलाव कुछ जरूरी सवाल खड़े करता है: क्या बुढ़ापे को एक बोझ के रूप में देखा जाएगा, या क्या भारत सम्मानजनक बुढ़ापे के लिए परिस्थितियाँ विकसित कर सकता है, जहाँ लोग सम्मान, सुरक्षा और सक्रिय भागीदारी के साथ लंबा जीवन जी सकें?

नितिन कुमार

बुढ़ापा ताकत है, कमजोरी नहीं। सुंदर वृद्धावस्था का अर्थ केवल जीवन में वर्षों को जोड़ना नहीं है, बल्कि वर्षों में जीवन को जोड़ना है। इसका अर्थ है यह सुनिश्चित करना कि वृद्ध व्यक्ति स्वस्थ, आर्थिक रूप से सुरक्षित, सामाजिक रूप से सक्रिय और समाज के सम्मानित सदस्य बने रहें। विश्व स्तर पर, वृद्धावस्था को एक अवसर के रूप में मान्यता दी गई है। वियना अंतर्राष्ट्रीय कार्य योजना (1982) ने सरकारों से वृद्ध व्यक्तियों को राष्ट्रीय विकास रणनीतियों में शामिल करने का आग्रह किया। दो दशक बाद, मैड्रिड अंतर्राष्ट्रीय कार्य योजना (2002) ने सभी आयु वर्गों के लिए समाज के निर्माण का आह्वान किया, जिसमें वृद्धों की भागीदारी, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर जोर दिया गया। ये प्राथमिकताएँ सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुरूप हैं, जो स्वस्थ वृद्धावस्था को सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज गरीबी उन्मूलन लैंगिक समानता और असमानताओं को कम करने के केंद्र में रखते हैं। ये ढाँचे मार्गदर्शन और तात्कालिकता दोनों प्रदान करते हैं।

वृद्धावस्था को अक्सर गिरावट के संदर्भ में देखा जाता है, जो निर्भरता अनुपात, बढ़ती स्वास्थ्य देखभाल लागत और घटती उत्पादकता जैसी चिंताओं में परिलक्षित होती है। फिर भी, लंबा जीवन मानव प्रगति का प्रमाण है। 1947 में, भारत में जीवन प्रत्याशा केवल 32 वर्ष थी; आज यह दोगुनी से भी अधिक बढ़कर लगभग 70 वर्ष हो गई है। जीवन के इन अतिरिक्त दशकों को बोझ के रूप में नहीं, बल्कि परिवारों, समुदायों और भारत के विकास में वृद्धों की भूमिका को नए सिरे से परिभाषित करने के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए।

वृद्ध भारतीय पहले से ही ऐसे तरीकों से योगदान दे रहे हैं जिन्हें अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। भारत में दीर्घकालिक वृद्धावस्था अध्ययन के आँकड़े दर्शाते हैं कि 36% वरिष्ठ नागरिक मुख्यतः खेती, कारीगरी, छोटे व्यापार और देखभाल जैसी आर्थिक गतिविधियों में संलग्न रहते हैं। शहरी परिवारों में, दादा-दादी बच्चों की देखभाल में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करते हैं, जिससे युवा माता-पिता काम कर पाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में, वृद्धजन कृषि पद्धतियों, स्थानीय परंपराओं और सामाजिक मध्यस्थता के संरक्षक बने रहते हैं। उनका संचित ज्ञान और अनुभव सामाजिक पूँजी का एक भंडार बनता है जो पीढ़ियों के बीच के बंधनों को मजबूत करता है।

भारत की अपनी सांस्कृतिक परंपराएं इन वैश्विक प्रतिबद्धताओं के अनुरूप हैं। बुजुर्गों का सम्मान लंबे समय से भारतीय सामाजिक जीवन का आधार रहा है। फिर भी, आधुनिकीकरण, प्रवासन, आर्थिक विकास के साथ बदलते सामाजिक मूल्यों और दृष्टिकोणों और एकल परिवारों के उदय के दबाव ने इन बंधनों को कमजोर कर दिया है। 2022 में हेल्पएज इंडिया के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि लगभग आधे बुजुर्गों ने उपेक्षा या दुर्व्यवहार की बात कही, अक्सर अपने ही परिवारों में। एलएएसआई के आँकड़े आगे बताते हैं कि केवल 19.7% बुजुर्ग पुरुषों और 16.9% बुजुर्ग महिलाओं के पास स्वास्थ्य बीमा है, जिससे कई लोग आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं।

स्वस्थ और सम्मानजनक वृद्धावस्था के लिए परिस्थितियां बनानाः वृद्धावस्था को सुंदर बनाने के लिए भारत को तीन परस्पर संबद्ध स्तंभों को मजबूत करना होगाः स्वास्थ्य सेवा, आर्थिक सुरक्षा और सशक्तिकरण।

स्वास्थ्य ही आधार है। एलएएसआई के आंकड़े बताते हैं कि भारत के 70% से ज्यादा बुजुर्ग हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह या गठिया जैसी कम से कम एक पुरानी बीमारी से ग्रस्त हैं। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ भी उतनी ही गंभीर हैं, जहाँ पाँच में से एक से ज्यादा में अवसाद के लक्षण दिखाई देते हैं। फिर भी, भारत में वृद्धावस्था देखभाल अभी भी सीमित है। वृद्धजनों के स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत कुछ वृद्धावस्था वार्ड और आउटरीच सेवाएँ स्थापित की गईं, लेकिन इनका दायरा अभी भी अधूरा है, खासकर ग्रामीण इलाकों में। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को वृद्धावस्था सेवाओं से मजबूत बनाना, निवारक देखभाल का विस्तार करना और मानसिक स्वास्थ्य सहायता में निवेश करना महत्वपूर्ण कदम हैं। टेलीमेडिसिन और मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयाँ भी कम सुविधा वाले क्षेत्रों तक सेवाएँ पहुँचा सकती हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवा अधिक समावेशी बन सकती है।

आर्थिक सुरक्षा भी उतनी ही जरूरीः भारत के लगभग 90% कार्यबल ने अपना जीवन अनौपचारिक क्षेत्र में बिताया है, बिना पेंशन या सेवानिवृत्ति बचत के। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम कुछ सहायता प्रदान करता है, लेकिन पेंशन की राशि कम और अक्सर अपर्याप्त रहती है। अपने पति से अधिक जीवित रहने वाली वृद्ध महिलाओं को अक्सर विधवापन, वित्तीय असुरक्षा और सबसे बढ़कर लंबे समय तक अस्वस्थता के रूप में तिहरे नुकसान का सामना करना पड़ता है । वृद्धावस्था में स्वतंत्रता और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए पेंशन कवरेज का विस्तार, लाभ स्तर में वृद्धि, वरिष्ठ-अनुकूल वित्तीय उत्पाद और बीमा योजनाएँ बनाना आवश्यक है। आर्थिक सशक्तिकरण न केवल वृद्धों की रक्षा करता है, बल्कि उन्हें समाज में सक्रिय योगदानकर्ता बने रहने में भी सक्षम बनाता है।

भारत को अपने बुजुर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सशक्तिकरण को अपनाना होगा। राष्ट्रीय वृद्धजन नीति (1999) और माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम (2007) जैसी नीतियों ने मुख्यतः कल्याण और सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया है। महत्वपूर्ण होते हुए भी, इन्हें सक्रिय वृद्धावस्था की ओर विकसित किया जाना चाहिए। वरिष्ठ नागरिकों को देखभाल के निष्क्रिय प्राप्तकर्ता के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास में भागीदार के रूप में देखा जाना चाहिए। लचीली कार्य व्यवस्थाएँ, सामुदायिक केंद्र, स्वयंसेवी नेटवर्क और आजीवन शिक्षण कार्यक्रम वृद्ध व्यक्तियों को जुड़े रहने में मदद कर सकते हैं। यदि तकनीक को उम्र के अनुकूल बनाया जाए, तो यह भी एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकती है, जिससे वरिष्ठ नागरिक जुड़े रह सकें, नए कौशल सीख सकें और यहाँ तक कि आय के नए अवसर भी तलाश सकें।

आदर्श युवा ग्रामसभाएं मजबूत करेंगी लोकतंत्र

यदि इन युवाओं को पर्याप्त अवसर मिलते हैं, तो उनमें पंचायती राज की कमियों को दूर करने की क्षमता तो दिखाई देगी ही, वे आलोचनात्मक सोच के माध्यम से चुनौतियों की पहचान कर उनके उचित समाधान के प्रति भी प्रतिबद्ध दिखाई देंगे। चूंकि ये शिक्षित होंगे, इसलिए समकालीन मुद्दों पर नई दृष्टि से विचार करेंगे और समाज को संवाद से प्रेरित करेंगे। अतएव कह सकते हैं कि युवा सरकारी नौकरी पाने की बजाय ग्रामीण क्षेत्रों में नवाचार एवं स्वावलंबन का बड़ा आधार बनेंगे।

प्रमोद भार्गव

किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा आबादी होती है। यह सुखद है कि विश्व की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या भारत में है। आधे नागरिक 25 वर्ष से कम आयु के हैं। इसीलिए नरेंद्र मोदी जब से प्रधानमंत्री बने हैं, तभी से वे इस युवा ऊर्जा को नावाचार से जोड़ने के प्रयास में लगे हुए हैं। इसमें सफलता भी मिली है। इसी का नतीजा है कि देश-दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर एक उभरती हुई वैश्विक आर्थिक शक्ति बन चुका है। अब युवा जनसांख्यिकीय ताकत को पंचायतीराज में शिक्षित युवाओं के समावेशीकरण की दृष्टि से एक अनूठी नवाचारी पहल पंचायती राज मंत्रालय ने की है। इसमें जनजातीय कार्य मंत्रालय और शिक्षा विभाग का भी सहयोग लिया जा रहा है। इसके अंतर्गत आदर्श युवा ग्रामसभा यानी मॉडल यूथ ग्रामसभा (एमवायजीएस) एक ऐसी पहल है, जो युवाओं में लोकतांत्रिक भागीदारी और नेतृत्व को प्रेरित करती है। ये युवा ग्रामों में जमीनी लोकतंत्र की भावना को न केवल मजबूती देंगे, अपितु त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था में शामिल होकर नवीन डिजिटल माध्यमों से ग्राम पंचायत प्रशासन को पारदर्शी बनाने के साथ, उन्हें आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने का काम भी करेंगे। इस व्यवस्था को तीनों विभागों ने तालमेल बिठाकर 30 अक्टूबर 2025 को शुभारंभ भी कर दिया है। त्रिस्तरीय पंचायती राज में सरपंच, जनपद अध्यक्ष और जिला पंचायत अध्यक्ष से कहीं ज्यादा संवैधानिक महत्व ग्राम सभाओं का है।

हालांकि कमोबेश पूरे देश में ग्राम सभाओं को नजरअंदाज किया जाता है। कलेक्टर और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भी ग्राम सभाओं के कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रस्तावों को टाल देते हैं। ग्राम सभाओं की इस कानूनी बाध्यता को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए वेदांता जैसी खनिज उत्खनन की बहुराष्ट्रीय कंपनी और ओड़ीसा राज्य सरकार के मामले में 2013 में दिए गए एक फैसले से जानते हैं। शायद देश में ऐसा पहली बार हुआ था कि पंचायती राज और ग्रामसभा के अधिकारों की कितनी अहम् भूमिका ग्राम विकास में अंतर्निहित है। पंचायत और वनाधिकार कानून की यह न्यायिक व्याख्या ऐसी राज्य सरकारों के लिए एक सबक है, जो इन कानूनों को ताक पर रखकर मनमानी करती हैं। इस दृष्टि से ओड़ीसा की नियमगिरी की पहाड़ियों पर सर्वोच्च न्यायालय ने बॉक्साइट के उत्खनन की प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। यहां गौरतलब है कि न्यायालय ने खुद व्यापार की कोई नई कानूनी संहिता नहीं रची थी, बल्कि अदालत ने पहले से ही प्रचलन में आए पंचायती राज अनुसूचित क्षेत्र विस्तार अधिनियम (पेसा) और आदिवासी एवं अन्य वनवासी भूमि अधिकार अधिनियम मावनाधिकार कानून में तय मानदण्डों के आधार पर ही अपना फैसला दिया था। अदालत ने केवल यह रेखांकित किया था कि इन कानूनों के तहत आदिवासी क्षेत्रों में स्थानीय खनिज संपदाओं के उपयोग के संबंध में ग्रामसभाएं पूरी तरह अधिकार संपन्न हैं और उनकी अनुमति के बिना कोई कंपनी या राज्य सरकार बेजा दखल नहीं दे सकती है। साथ ही, कार्यपालिका ग्रामसभा के निर्णय को मौके पर पालन कराने के लिए बाध्यकारी है। इस फैसले के बाद वेदांता समूह को मिले खनन के अधिकार पर ग्रहण लग गया था। इससे गांव में जमीन पर सामुदायिक हक किसका है, यह निर्धारित करने का निर्णय ग्राम सभाओं को मिल गया था। इससे पहले इसी आधार पर 2009 में अरावली पर्वत श्रृंखलाओं में खनन पर रोक लगा चुकी थी। ग्राम सभाओं के इसी महत्व को अंगीकार करते हुए कर्नाटक के बेल्लारी, तुमकुर और चित्रांगदा जिलों में लौह अयस्क उत्खनन के 50 पट्टे भी शीर्ष न्यायालय ने रद्द कर दिए थे। अदालत के इस लोकतांत्रिक एवं जनहितैषी कानून सम्मत फैसले से इस अवधारणा को शक्ति मिली थी कि जिन मूल निवासियों के संसाधनों पर परियोजनाएं स्थापित होनी हैं, उन्हें लगाने या न लगाने का अधिकार पंचायत अधिनियम में दर्ज ग्राम सभाओं को है। ग्राम सभाएं निर्णय लेने को पूरी तरह स्वतंत्र हैं। चूंकि आदर्श युवा ग्राम सभाओं में ऐसे विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अंतर्गत गतिविधि आधारित और अनुभवजन्य शिक्षा पर बल देती है। इस प्रशिक्षण का लक्ष्य छात्रों में संवैधानिक मूल्यों, दायित्वों के प्रति सम्मान के साथ देश के प्रति भावनात्मक जुड़ाव विकसित करना है। इसीलिए इन आदर्श युवा ग्राम सभाओं में जवाहर नवोदय विद्यालय, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय और अन्य सरकारी विद्यालयों के नवीं एवं दसवीं के छात्रों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। क्योंकि यही संस्थान समाज के विविध वर्गों का प्रतिनिधित्व करते हैं। अतएव इस पहल का दायरा सभी ग्रामीणों से लेकर जनजातीय समुदायों तक फैला हुआ है। चूंकि संविधान के 73वें संशोधन ने पंचायती राज व्यवस्था में अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग के आरक्षण के साथ इन समुदायों की महिलाओं को भी आरक्षण की सुविधा प्राप्त है। इसीलिए ग्राम पंचायतों को भारत की विविधता का वास्तविक प्रतिबिंब माना जाता है। निश्चित ही यह लोक कल्याणकारी निर्णय ग्रामीण जनसमूहों में चेतना का आधार बनेगा और ग्राम विकास में ग्राम सभा की भूमिका मजबूत होगी। साथ ही इस ऐतिहासिक फैसले के परिप्रेक्ष्य में राज्य सरकारों और उद्योगपतियों को यह संदेश लेने की जरूरत है कि वे अब अपेक्षाकृत ज्यादा मानवीय और समावेशी विकास की पक्षधर दिखें। तभी विकेंद्रीकृत पंचायती राज प्रणाली में कानून की सार्थकता सिद्ध होगी। युवाओं द्वारा स्वप्न देखना स्वाभाविक लक्षण है। लेकिन प्रचार के जरिए देश में माहौल कुछ ऐसा बना दिया गया है कि सरकारी अथवा निजी क्षेत्र में नौकरी करना ही जीवन की सफलता है। परंतु यह प्रयोग प्रशिक्षित युवा वर्ग में निर्वाचन के जरिए पंचायती राज व्यवस्था में प्रशासनिक अधिकार प्राप्त कर लेने की उम्मीद जगाता है। यदि इन युवाओं को पर्याप्त अवसर मिलते हैं, तो उनमें पंचायती राज की कमियों को दूर करने की क्षमता तो दिखाई देगी ही, वे आलोचनात्मक सोच के माध्यम से चुनौतियों की पहचान कर उनके उचित समाधान के प्रति भी प्रतिबद्ध दिखाई देंगे।

अपना उत्साह ऊंचा रखें

चिंतन-मनन

श्रीश्री रवि शंकर

हर समय सभी चीजों को प्राप्त कर लेना संभव नहीं है। यहां तक कि उत्तम और शुभ इच्छाओं के साथ किए गए महान कार्य में भी खामी आ जाती है। खुद को अपूर्ण सोचने की मन की प्रवृत्ति भावनाओं और मन को अपूर्ण और नकारात्मक बना देती है। इन चक्रों से बाहर निकलना और भीतर से अछूते और मजबूत बने रहना ही पूर्णता का बोध करा सकता है। परेशान होने का कारण- यह दुनिया विपरीत मूल्यों के माध्यम से कार्य करती है। दुख न होता तो आनंद का कोई मूल्य नहीं होता। कोई न कोई कारण हमेशा आपको परेशान करने के लिए मौजूद रह सकता है। कभी-कभी यह परिवार के किसी सदस्य या मित्र का व्यवहार हो सकता है या यह पड़ोसी हो सकता है, जो आपके लिए समस्या पैदा कर सकता है। राह चलते कोई पशु भी आपको परेशान कर सकता है। स्वयं करना होगा प्रयास- अगर आपने निराश होने की आदत बना ली है, तो आपको दुख से कोई नहीं बचा सकता है। जगह कितनी भी अच्छी क्यों न हो, अगर आप नकारात्मकता में फंस गए हैं, तो आप दुखी रहेंगे। आप अपने स्वयं के प्रयास और जीवन के ज्ञान की मदद से ही इससे बाहर निकल सकते हैं। ज्ञान पाने की खोज- दुनिया सतह पर अपूर्ण दिखाई देती है, लेकिन गहराई में सभी सही है। पूर्णता छिपती है, अपूर्णता दिखावा करती है। दुनिया सतह पर अपूर्ण दिखाई देती है, लेकिन नीचे सभी सही है। ज्ञानी सतह पर नहीं रहेगा बल्कि गहराई में खोज करेगा। अज्ञान की स्थिति में अपूर्णता स्वाभाविक है और पूर्णता एक प्रयास है। ज्ञान की स्थिति में अपूर्णता एक प्रयास है, पूर्णता अपरिहार्य है। आपको अपने जीवन में मिलने वाले लोगों या परिस्थितियों को बदलने की कोशिश करने के बजाय अपनी धारणाओं को बदलने की जरूरत है। लोगों को अपूर्ण होने का अधिकार है। उन्हें सही करना आपका काम नहीं है। यदि आप समाज में रहते हैं, तो यह स्वाभाविक है कि कभी आपको प्रशंसा मिलेगी और कभी निंदा का भागी होना पड़ेगा। आप किसी से भी सुविधाजनक बर्ताव पाने की उम्मीद नहीं कर सकते। जो व्यक्ति जिस रूप में है आपको उसी रूप में स्वीकार करना होगा। स्वीकार करने का अर्थ है कि अपूर्णता के लिए उसी तरह स्थान रखें, जिस तरह हम अपने घरों में कूड़ा रखने के लिए जगह बनाते हैं।

आपके पत्र

शादियों में धन और अन्न बर्बाद न करें

त्योहारों के साथ-साथ अब शादियों का मौसम भी शुरू हो गया है। हमारे देश में शादी समारोह में भी फिजूलखर्ची लोक दिखावे के लिए होने लगी है। लोक दिखावे के लिए लोग अपने पैर चादर से बाहर भी पसार देते हैं। कुछ समय पहले शादियों में फिजूलखर्ची को रोकने के लिए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री रह चुकी कृष्णा तीरथ ने सुझाव दिया था कि उनके अनुसार चाय और नमकीन में भी फेरे लेकर विवाह की रस्म निभाई जा सकती है। इसके लिए लाखों रुपए फूंकने की क्या जरूरत है। जो कि बहुत ही सराहनीय है। अमीर लोगों को तो लाखों रुपए खर्च करने से तो कोई फर्क नहीं पड़ता है। गरीब अगर विवाह समारोहों में लाखों खर्चा करने लग पड़ेगा तो वो सारी जिंदगी गरीबी की दलदल में धंस जाएगा।

पीके सिंह,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

वाहनों की गति नियंत्रित करने संबंधी जांच की

साहिबगंज : ओवर स्पीडिंग जागरूकता सप्ताह2025 के तहत आज जिला परिवहन विभाग द्वारा जिरवाबाड़ी थाना के समीप सघन वाहन जांच एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व जिला परिवहन पदाधिकारी श्री मिथिलेश कुमार चौधरी व एम.भी.आई विमल किशोर द्वारा किया गया।अभियान के दौरान सभी छोटे-बड़े वाहनों की विस्तृत जांच की गई। विशेष रूप से ओवर स्पीडिंग पर रोकथाम हेतु वाहनों की गति नियंत्रित करने संबंधी जांच की गई। साथ ही बिना हेलमेट, लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन, इंश्योरेंस आदि अनिवार्य दस्तावेजों के बिना चलने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए कुल 22 वाहनों से लगभग ₹27,500 का जुमार्ना वसूल किया गया।मौके पर सभी वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा मानकों का पालन करने, ओवर स्पीडिंग से बचने तथा जिम्मेदार यात्रायात को अपनाने हेतु जागरूक किया गया।
अभियान में जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह,आरइए अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस, थाना प्रभारी सहित पुलिस बल की महत्वपूर्ण उपस्थिति रही।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में युवक घायल

साहिबगंज : बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत मोटरसाइकिल दुर्घटना में एक युवक घायल हो गया।मिली जानकारी के अनुसार कंडोला पहाड़ निवासी सिविल पहाड़िया का 17 वर्ष पुत्र सोनू माल्टो साहिबगंज से अपने घर की ओर जा रहा था।जहां सुबह 9:00 बजे के लगभग बांझी व दुर्गा टोला सड़क के बीच पर पेड़ टूट कर गिरा हुआ था,तेज रफ्तार मोटरसाइकिल होने के कारण मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।जिससे उक्त चालक बीच सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। जहां राहगीरों ने उक्त घायल को उठाया और घटना की सूचना परिजनों को दिया,सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंच कर उक्त घायल को आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लाया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने उक्त घायल का इलाज किया।चिकित्सक ने बताया कि दाहिना हाथ टूट गया है और शरीर में गंभीर चोटे लगी है।अस्पताल में चिकित्सक की देख-रेख में इलाज चल रहा है।

कृषक-वैज्ञानिक अंतर्मिलन कार्यक्रम संपन्न

दुमका : आत्मा सभागार, दुमका में सोमवार को परियोजना निदेशक आत्मा दुमका सह जिला कृषि पदाधिकारी दुमका की अध्यक्षता में कृषकझवैज्ञानिक अंतर्मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
कार्यक्रम का मुख्य विषय ह्वरबी फसल की आधुनिक खेती एवं प्रबंधनह्व था।इस अवसर पर दुमका जिला के सभी प्रखंडों से आए कृषक भाईझबहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र (डश्ड) दुमका के वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान अमृत कुमार झा, वरीय वैज्ञानिक डॉ. बी.के. महतो, वरीय वैज्ञानिक भूषण कुमार सिंह, कृषि अनुसंधान केन्द्र (फ्र) दुमका के सह निदेशक ए.के. सहा एवं वरीय वैज्ञानिक शैलेंद्र मोहन उपस्थित रहे। वैज्ञानिकों द्वारा रबी फसलों की उन्नत तकनीकों पर विस्तृत जानकारी किसानों को दी गई। बीजोपचार की अनिवार्यता पर विशेष बल दिया गया ताकि फसलों में होने वाली संभावित क्षति को कम किया जा सके। धान फसल में वर्तमान समय में फैल रहे रोगों की रोकथाम हेतु प्रभावी उपायों की जानकारी भी किसानों को दी गई। इस अवसर पर जिला उद्यान पदाधिकारी राजेंद्र कुमार द्वारा उद्यान विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं उनके लाभ से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय लोक अदालत13 दिसंबर को

देवघर : जिले के उपायक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा द्वारा जानकारी दी गयी कि व्यवहार न्यायालय परिसर देवघर एवं अनुमंडल व्यवहार न्यायालय, मधुपुर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन दिनांकः-13 दिसंबर, 2025 (शनिवार) को प्रातः 11:00 बजे से किया जा रहा है तथा राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित समझौता बैठकें दिनांक 13 अक्टूबर, 2025 से चल रही है। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में निम्न प्रकार के प्री-लिटिगेशन तथा लंबित मामलों का निष्पादन सुलह समझौते के आधार पर किया जाएगा। सुलहनीय आपराधिक मामले, एन.आई.एक्ट (चेक अनावरण) से संबंधित मामले, बैंक ऋण वसूली के मामले, मोटरवाहन दुर्घटना के दावे से संबंधित मामले,ष्वैवाहिक विवाद से संबंधित मामले, श्रम विवाद से संबंधित मामले,ह्वभू-अर्जन से संबंधित मामले, बिजली, पानी के बिलों से संबंधित मामले (असुलहनीय मामलों को छोड़कर) सेवा से संबंधित भुगतान, भत्ते और सेवानिवृत्ति लाभ से संबंधित मामले राजस्व से संबंधित मामले (जिला न्यायालय में लंबित मामले) अन्य दिवानी मामले जिसमें मालगुजारीए सुखाधिकार, इंजन्कशन सूट, विनिदिष्ट पालन इत्यादि शामिल हैं,
अन्य सुलह योग्य मामले न्यायालयों में लंबित उपरोक्त मामलों की त्वरित सुनवाई व निष्पादन हेतु मामलों से संबंधित कोई भी पक्षकार/इच्छुक त्वरित या किसी भी प्री-लिटिगेशन मामले की सुनवाई किये जाने हेतु इच्छुक व्यक्ति/पक्ष, अपने मामले का ब्यौरा, अपने पूरे पते तथा अन्य विवरण के साथ।

सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में झलकेगी भारतीय पारंपरिक संस्कृति

संवाददाता

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के आठवें दीक्षांत समारोह में इस बार भारतीय पारंपरिक परिधान की झलक देखने को मिलेगी। समारोह में डिग्री या मेडल प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं पारंपरिक वेशभूषा–कुर्ता-पायजामा, सलवार-कुर्ता या साड़ी–में नजर आएंगे। विश्वविद्यालय का आगामी दीक्षांत समारोह 17 नवंबर को कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा।
विश्वविद्यालय प्रशासन ने समारोह में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं और शोधार्थियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। दिशा-निदेर्शों के अनुसार, पुरुष विद्यार्थियों के लिए सफेद कुर्ता-पायजामा और महिला विद्यार्थियों के लिए सफेद सलवार-सूट या लाल बॉर्डर वाली सफेद अथवा हाफ-व्हाइट साड़ी पहनना अनिवार्य होगा।

निदेर्शों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले और पीएचडी डिग्री धारक विद्यार्थियों को समारोह से एक दिन पूर्व, यानी 16 नवंबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे के बीच कन्वेंशन सेंटर, दुमका पहुँचकर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। रजिस्ट्रेशन नहीं कराने की स्थिति में उन्हें समारोह में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
रजिस्ट्रेशन के दौरान विद्यार्थियों को प्रवेश पास, पहचान पत्र, दीक्षांत पट्टा तथा आवश्यक दिशा-निर्देश वहीं स्थल पर प्रदान किए जाएंगे। विश्वविद्यालय ने स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले तथा पीएचडी उपाधि धारक विद्यार्थियों की सूची अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दी है।
कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर ने बताया कि इस वर्ष दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों के लिए भारतीय पारंपरिक वेशभूषा अनिवार्य की गई है। सभी विद्यार्थी, शोधार्थी एवं शिक्षक पारंपरिक परिधान में ही शामिल होंगे। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन समारोह से एक दिन पूर्व स्थल पर ही किया जाएगा, जिसके लिए एक विशेष टीम गठित की गई है।

प्रगतिशील किसानों के बीच मधुमक्खी पालन उपकरणों का हुआ वितरण

संवाददाता

साहिबगंज : वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत उद्यान विकास योजना की उप-योजना मधुमक्खी पालन के तहत साहिबगंज जिले के बरहरवा प्रखंड में चयनित 20 प्रगतिशील कृषकों को तीन दिवसीय मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत उपकरणों का वितरण किया गया।कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक किसान को 20 मधुमक्खी बक्से 20 मधुमक्खी छत्ते, शहद निष्कर्षण यंत्र अन्य आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए गए। यह पहल किसानों को आत्मनिर्भर बनाने तथा ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मधुमक्खी पालन से किसान कम

लागत में बेहतर आमदनी अर्जित कर सकते हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।मौके पर जिला उद्यान पदाधिकारी श्री अमितेश रंजन, सब्जी प्रसार कार्यकर्ता श्री मुकेश कुमार,व प्रगतिशील किसान श्री प्रेम पासवान उपस्थित रहे। अधिकारियों ने किसानों को मधुमक्खी पालन के आधुनिक तरीकों, शहद उत्पादन एवं बाजार से जुड़ाव की जानकारी भी प्रदान की।यह कार्यक्रम जिले में उद्यानिकी आधारित आजीविका को बढ़ावा देने में एक मील का पत्थर साबित होगा।

रोगियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना प्रशासन की प्राथमिकता है : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त साहिबगंज हेमंत सती द्वारा पुराना सदर अस्पताल परिसर, कुपोषण उपचार केन्द्र एमटीएस ,एमसीएच भवन तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सदर का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया गया।
निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अस्पताल परिसर की विभिन्न इकाइयों की स्थिति का गहन आकलन किया।उपायुक्त ने जर्जर अवस्था में पाए गए भवनों को चिन्हित कर ध्वस्त करने तथा नए सिरे से डीपीआर तैयार कर आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के अनुरूप भवन निर्माण करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।अस्पताल परिसर में बरसात के दौरान जल निकासी की

समस्या को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त महोदय ने कनीय अभियंता शैलेश कुमार को पूरे परिसर में नालों का डीपीआर तैयार कर निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने का निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कहा कि रोगियों को स्वच्छ सुरक्षित व बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी निर्माण एवं सुधार कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण किए जाएं।इस दौरान सिविल सर्जन साहिबगंज डॉ0 रामदेव पासवान, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ0 महमूद आलम तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था ध्वस्त मंत्री को बर्खास्त करें : भाजपा

मेदिनीनगर : भाजपा की पलामू यूनिट ने सोमवार को मेदिनीनगर के मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में धरना देकर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री को बर्खास्त करने की मांग की। चाईबासा के सदर अस्पताल में थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी संक्रमित खून चढ़ा देने और स्वास्थ्य विभाग में फैले कथित भ्रष्टाचार के मामले में कार्रवाई की मांग की गई है। दोषी पदाधिकारियों पर कार्रवाई करने, स्वास्थ्य विभाग में फैले भ्रष्टाचार सख्ती से रोक लगाने की भी मांग की गई है। एक दिनी धरना के बाद जिला भाजपा की टीम ने उपायुक्त से समाहरणालय में मिलकर राज्यपाल के नाम मांगपत्र सौंपा। भाजपा के पलामू जिलाध्यक्ष अमित तिवारी के नेतृत्व में धरना दिया गया। इस क्रम में वक्ताओं ने कहा कि झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। आए दिन राज्य के सरकारी अस्पतालों में हृदय विदारक घटनाएं घट रही। डॉक्टर्स, दवाई, बेड, एम्बुलेंस के अभाव से त्रस्त गरीब जनता को अब सरकारी अस्पतालों में मौत परोसे जा रहे। विगत दिनों चाईबासा सदर अस्पताल में जिस प्रकार से थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी संक्रमित खून चढ़ाए गए उससे राज्य के स्वास्थ्य विभाग की घोर लापरवाही उजागर हो गई है। अब गरीब जनता भी सरकारी अस्पतालों में इलाज कराने के लिए 100 बार सोचने को विवश हैं। सिविल सर्जन मनमाने ठेकेदारों को टेंडर बांट रहे, जिससे घटिया सामग्रियों की आपूर्ति हो रही है। प्रतिबंधित नशीले कफ सिरप धड़ल्ले से बिक रहे और विभागीय मंत्री औचक निरीक्षण का नाटक कर रहे। जन भावनाओं का सम्मान करते हुए भाजपा ने इसके खिलाफ आवाज बुलंद किया है। धरना में विपिन बिहारी सिंह, ओम प्रकाश पप्पू, शुभम प्रसाद, जितेंद्र तिवारी, ज्योति पांडेय, विजय ठाकुर, अविनाश वर्मा, शिव कुमार मिश्रा, दिनेश कुमार यादव, अजय सिंह, सरवन प्रसाद, विपुल गुप्ता, मंगल सिंह, सोमेस सिंह, समेत कई भाजपाई उपस्थित थे।

सीओ बनाम हम पार्टी के जिलाध्यक्ष विवाद को जातीय रंग देना गलत : झामुमो

मेदिनीनगर : झारखंड मुक्ति मोर्चा के पलामू जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने सोमवार को कहा कि सदर सीओ अमरजीत बल्होत्रा और हिन्दुस्तान अवामी मोर्चा (हम) पार्टी के पलामू जिला अध्यक्ष आशुतोष तिवारी के बीच के विवाद को गलत तरीके से जातिगत रंग दिया जा रहा है। कोई भी पदाधिकारी या नेता किसी जाति या धर्म का नहीं, बल्कि पूरे समाज का होता है। उन्होंने कहा कि अंचलाधिकारी से जुड़ी कुछ शिकायतें पहले भी उपायुक्त को भेजी गई थी, उपायुक्त ने जांच कराकर आवश्यक कदम उठाने की बात कही थी। मौजूदा विवाद पर झामुमो की पैनी नजर है और मुख्यमंत्री से जांच की मांग की गई है।दोषी चाहे पदाधिकारी हो या नेता, कार्रवाई निश्चित होगी। झामुमो जिलाध्यक्ष ने सोमवार को प्रेस प्रतिनिधियों को बताया कि यह कोई जातिगत लड़ाई नहीं बल्कि अंचलाधिकारी एवं हम पार्टी के जिला अध्यक्ष आशुतोष तिवारी के बीच कुछ विवादित मुद्दों का मामला है।

झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था हो चुकी है पूरी तरह ध्वस्त : भाजपा

संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू भाजपा ने चाईबासा सदर अस्पताल में थैलीसीमिया पीड़ित गरीब आदिवासी बच्चों को एचआईवी संक्रमित खून चढ़ाने के दोषी पदाधिकारियों समेत स्वास्थ्य विभाग में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री को बर्खास्तगी की मांग को लेकर कचहरी परिसर में एक दिनी धरना दिया। धरना की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने किया। धरना के बाद प्रतिनिधि मंडल ने राज्यपाल के नाम उपायुक्त को मांग पत्र सौंपा। वक्ताओं ने कहा कि झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। आए दिन राज्य के सरकारी अस्पतालों में हृदय विदारक घटनाएं घट रही। डॉक्टर्स, दवाई, बेड, एम्बुलेंस के अभाव से त्रस्त गरीब जनता को अब सरकारी अस्पतालों में मौत परोसे जा रहे। विगत दिनों चाईबासा सदर अस्पताल में जिस प्रकार से थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी संक्रमित खून चढ़ाए गए उससे राज्य के स्वास्थ्य विभाग की अक्षम्य लापरवाही उजागर हुई है। स्थिति इतनी भयावह है कि अब गरीब जनता सरकारी अस्पतालों में इलाज कराने के लिए सौ बार सोचने को विवश हैं। सिविल सर्जन मनमाने ठेकेदारों को टेंडर बांट रहे, जिसके कारण घटिया सामग्रियों की आपूर्ति हो रही है। प्रतिबंधित नशीले कफ सिरप धड़ल्ले से बिक रहे और विभागीय मंत्री औचक निरीक्षण का नाटक कर रहे। जन भावनाओं के अनुरूप भाजपा ने इसके खिलाफ आवाज बुलंद किया है। इस अवसर पर विपिन बिहारी सिंह, ओमप्रकाश पप्पू, शुभम प्रसाद, जितेंद्र तिवारी, ज्योति पांडेय, विजय ओझा, शिव कुमार मिश्रा, दिनेश कुमार यादव, अजय सिंह समेत कई भाजपाई उपस्थित थे।

डेढ़ लाख की सुपारी देकर पड़ोसी ने करा दी हत्या

मेदिनीनगर : जिले के हरिहरगंज सिटी सतगांवा मोहल्ला निवासी और गेट-ग्रिल के दुकानदार जस्मुद्दीन अंसारी उर्फ नवाब की हत्या रास्ते के विवाद में पड़ोसी ने डेढ़ लाख रुपये सुपारी देकर करा दी। जस्मुद्दीन रास्ते के लिए चार फीट जमीन पड़ोसी से छोड़वाने पर अड़ा था जिससे नाराज होकर पड़ोसी ने हत्या करवा दी। यह खुलासा हत्या कांड एक आरोपी 26 वर्षीय अब्दुल रमजान की गिरफ्तारी के बाद हुई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी से गहन पूछताछ के बाद उसे सोमवार को अदालत में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पलामू की पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने बताया कि हत्या मामले में गिरफ्तार आरोपी अब्दुल रमजान, तरहसी थाना क्षेत्र के गुरहा गांव का निवासी है।उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त धारदार हथियार (कटार), मृतक का खून से सना मटमैले रंग के कपड़े का टुकड़ा एवं एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है।ह्व

शहीद नायक सुबोध सिंह के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सम्मान व पुरस्कार वितरण

संवाददाता

साहिबगंज : तीन नवंबर को शहीद नायक सुबोध सिंह के शहादत दिवस के अवसर पर उनके स्मृति स्थल पर एक श्रद्धांजलि एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।इस दौरान उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया और देश के प्रति उनके अदम्य साहस एवं बलिदान को याद किया गया।कार्यक्रम का आयोजन न्यू झारखंड युवा क्लब के अध्यक्ष विनोद कुमार यादब के तत्वावधान में किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व वार्ड पार्षद गोपाल चौखानी,एल.सी.सी.कंप्यूटर सेंटर के प्राचार्य उत्तम कुमार,अभिनेत्री कल्याणी कुमारी एवं पिंटू कुमार यादव ने इन सभी के द्वारा शहीद सुबोध सिंह की धर्मपत्नी मंजू सिंह को उनके बलिदान की स्मृति में शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।शहादत दिवस के अवसर पर

आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी अदिति राज कक्षा 10 के पीएम श्री उत्कर्ष नगर पालिका उच्च विद्यालय, काजल कुमारी कक्षा 10 के जमुना दास गर्ल्स हाई स्कूल,श्रुति कुमारी कक्षा 10 के जमुना दास गर्ल्स हाई स्कूल एवं सांत्वना पुरस्कार मे सौम्या शर्मा,लक्ष्मी यादव,शीतल कुमारी, मुस्कान कुमारी और जूही कुमारी, सभी जमुना दास गर्ल्स हाई स्कूल से सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में योगदान देने वाली ज्योति कुमारी और श्रुति कुमारी को भी उनके उत्कृष्ट सहयोग एवं निष्पक्ष निर्णय के लिए सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के आयोजक विनोद कुमार यादव ने बताया कि यह कार्यक्रम शहीदों के सम्मान और युवाओं में देशभक्ति की भावना को प्रबल करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।क्लब आगे भी इसी प्रकार के सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।इस अवसर पर मीरा देवी,छोटू मिथिलेश बेसरा कार्यालय अधीक्षक,अनुमंडल सती शीला हासदा,लाल बिहारी यादव,शंकर प्रसाद,चंदन कुमार सिंह,पूर्व सैनिक पी.के.तिवारी,राय जी,उत्तम प्रकाश जूनियर इंजीनियर रंजन कुमार गुप्ता सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

आमिर खान को मिलेगा पहला आरके लक्ष्मण उत्कृष्टता पुरस्कार

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान को पहला आरके लक्ष्मण उत्कृष्टता पुरस्कार मिलने वाला है। यह सम्मान भारत के सबसे प्रतिष्ठित कार्टूनिस्ट की विरासत का सम्मान करने के लिए बनाया गया है। दिवंगत महान कार्टूनिस्ट आरके लक्ष्मण के परिवार द्वारा स्थापित यह पुरस्कार उस कलाकार को श्रद्धांजलि है, जिसने कालातीत कॉमन मैन की रचना की और हास्य एवं अवलोकन के माध्यम से भारतीय समाज की नब्ज पकड़ी। आमिर को यह पुरस्कार 23 नवंबर को पुणे में प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम में ऑस्कर विजेता ए.आर. रहमान का एक लाइव कॉन्सर्ट भी होगा। समारोह शाम 5 बजे एमसीए क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगा, जहां संगीत और यादें मिलकर महान कार्टूनिस्ट को सम्मानित करेंगी। इस अवसर पर आरके लक्ष्मण की पुत्रवधू उषा लक्ष्मण ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान हम आरके लक्ष्मण को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और उत्कृष्टता के लिए पहला आरके लक्ष्मण पुरस्कार शुरू करेंगे। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि आमिर खान को इस उद्घाटन पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि यह हमारे परिवार की ओर से लक्ष्मण जी को दी जाने वाली सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी। अपने काटूनों के माध्यम से, इस प्रिय कार्टूनिस्ट ने आम लोगों के जीवन, उनकी कठिनाइयों और समाज की वास्तविकताओं को हास्य और विचार के साथ चित्रित किया, जिससे लोग न केवल हंसे, बल्कि सोचने पर भी मजबूर हुए। उन्होंने अपने भाई आरके नारायण द्वारा लिखित प्रसिद्ध टीवी श्रृंखला मालगुडी डेज के लिए रेखाचित्र भी बनाए।

अमिताभ बच्चन के घर के बाहर कड़ी सिक्योरिटी, 24 घंटों के लिए तैनात की गई पुलिस

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि एक्टर को खालिस्तानी समूह की ओर से जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी की खबरों के बीच अमिताभ की सुरक्षा को कड़ा कर दिया गया है। उनके घर के बाहर पुलिस कर्मियों को तैनात कर दिया गया है। तो आइए जानते हैं आखिर क्या है ये मामला?

दरअसल, ये मामला तब शुरू हुआ जब टीवी रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति 17 में फेमस पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ ने अमिताभ बच्चन के पैर छुए। इसके बाद सिंगर को खालिस्तानी संगठन की ओर से धमकियां मिलने लग गई। इसी बीच केंद्रीय एजेंसियों ने अमिताभ बच्चन पर हमले की आशंका जताई। ऐसे में प्रशासन ने बड़ा कदम उठाते हुए बिग बी की सुरक्षा कड़ी कर दी और उनके घर पर 24 घंटे के लिए पुलिस को तैनात कर दिया गया। उनके दोनों बंगले प्रतीक्षा और जलसा के बाहर सिक्योरिटी को टाइट कर दी गई है।

गौरतलब है कि अमिताभ बच्चन, खालिस्तानी आतंकवादी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) के निशाने पर हैं। वहीं, दिलजीत दोसांझत को भी केबीसी 17 में बिग बी के पैर छूने पर धमकी मिली थी।

कार्तिक आर्यन ने अपनी अगली बड़ी रिलीज तू मेरी मैं तेरा के लिए क्रिसमस 2025 को किया लॉक

पिछली दीवाली अपनी रिकॉर्ड-तोड़ ब्लॉकबस्टर 'भूल भुलैया 3' से बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने के बाद, कार्तिक आर्यन एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। इस बार उन्होंने अपने अगले बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के लिए क्रिसमस 2025 की तारीख पक्की कर दी है।

पिछले कुछ वर्षों में खुद को देश के सबसे भरोसेमंद सितारों में से एक साबित करनेवाले कार्तिक आर्यन अब शानदार ओपनिंग की गारंटी बन चुके हैं, फिर चाहे बात मसाला एंटरटेनर की हो या रोमांटिक ड्रामा की। उनकी सहजता, आकर्षण और बढ़ती लोकप्रियता ने उन्हें नए दौर के व्यावसायिक सिनेमा का चेहरा बना दिया है, जो युवाओं और पारिवारिक दर्शकों, दोनों के बीच समान रूप से लोकप्रिय हो चुके हैं।

फिलहाल 'मैं मेरी पत्नी और वो' के बाद एक बार फिर अनन्या पांडे के साथ लौट रहे कार्तिक आर्यन के लिए उनके दर्शक काफी उत्साहित हैं, क्योंकि अपनी पिछली फिल्म में भी इस ऑन स्क्रीन जोड़ी ने अपनी सिजलिंग केमिस्ट्री से दर्शकों का काफी मनोरंजन किया था।

धर्मा प्रोडक्शंस और नम पिक्चर्स द्वारा निर्मित 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के निर्देशक समीर विदवान्स है, जिनके साथ कार्तिक 'सत्यप्रेम की कथा' जैसी खूबसूरत रोमांटिक ड्रामा फिल्म कर चुके हैं। फिलहाल पिछली दिवाली पर खुशियां बिखेरने के बाद इस क्रिसमस को अपने प्यार और सुरों से सजाने आ रहे कार्तिक आर्यन की फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' को लेकर दर्शकों के साथ ट्रेड सर्कल में भी काफी खासा उत्साह है। तो इंतजार कीजिए इस खूबसूरत जोड़ी के साथ इस सुपर खूबसूरत फिल्म का।

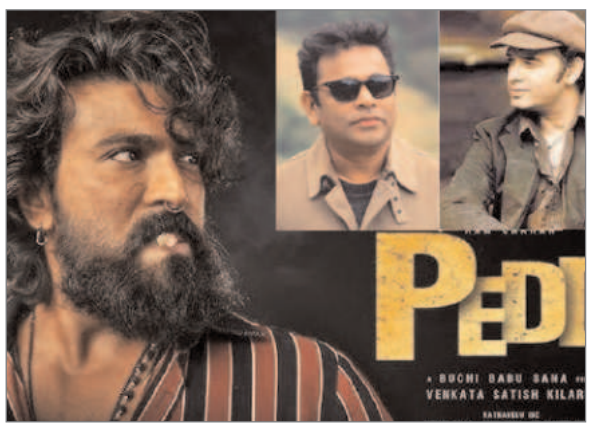

रामचरण की फिल्म में अफरहमान और मोहित चौहान का धमाकेदार कोलैबरेशन

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार राम चरण स्टारर पेड्डी में एआर रहमान और मोहित चौहान का धमाकेदार म्यूज़िक कोलैबरेशन नजर आ सकता है। रामचरण ने एक बार फिर फैंस में जबरदस्त उत्साह जगा दिया है। रामचरण इन दिनों अपनी सबसे ज्यादा इंतेजार की जाने वाली फिल्म पेड्डी की तैयारी में बिजी हैं, ने सोशल मीडिया पर एक नई तस्वीर साझा की है।

तस्वीर ने फैंस के बीच एक नई हलचल मचा दी है, क्योंकि सभी को लग रहा है कि जल्द ही कोई बड़ा ऐलान होने वाला है। अपने ट्विटर हैंडल पर राम चरण ने एक ग्रुप फोटो शेयर की, जिसमें ग्लोबल म्यूजिक लीजेंड एआर रहमान, मशहूर सिंगर मोहित चौहान और पेड्डी के डायरेक्टर बुची बाबू सना एक साथ नजर आ रहे हैं, लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान खींचा रामचरण के दिलचस्प कैप्शन ने व्हाट्स कुकिंग गाइज? कयास लगाए जा रहे हैं कि एआर रहमान और मोहित चौहान फिल्म के लिए किसी नए गाने या थीम पर साथ काम कर रहे हैं। रहमान पहले से ही पेड्डी के म्यूजिक कंपोजर के रूप में कन्फर्म हैं, लेकिन नादान परिंदे और तुम से ही जैसे गानों के लिए मशहूर मोहित चौहान की इस

रेणुका की कामयाबी पर रोहडू में जश्न, महिला वर्ल्ड कप फाइनल में आठ ओवर में दिए मात्र 28 रन

रोहडू: जिला शिमला के रोहडू उपमंडल के छोटे से गांव पारसा में जन्मी रेणुका सिंह ठाकुर ने महिला विश्व कप के फाइनल मुकाबले में किफायती गेंदबाजी की है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीम के खिलाफ फाइनल मुकाबले में आठ ओवर में मात्र 28 रन खर्च किए। रेणुका द्वारा मैच के दौरान किफायती गेंदबाजी करने से दक्षिण अफ्रीका की टीम पर दबाव में आ गई और अंत में मैच हार गई। रेणुका की मां सुनीता ठाकुर ने बताया कि रेणुका अगले सप्ताह तक अपने अपने गांव पारसा आ रही हैं। उन्होंने बताया कि पिता का साया रेणुका के सिर पर से दो साल की उम्र में उठ गया था। उसके पिता स्व. केहर सिंह ठाकुर जलशक्ति विभाग में कार्यरत थे।

सुनीता ने बताया कि शिक्षा विभाग में प्राचार्य के पद पर सेवारत पारसा गांव के ही डा. भूपेंद्र सिंह ठाकुर ने उसे हिमाचल प्रदेश क्रिकेट अकादमी धर्मशाला

तक पहुंचाया। अपनी बेटी की उपलब्धि पर सुनीता बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया कि फाइनल मुकाबले वाली रात को वह गांव के लोगों के साथ मिलकर टेलीविजन पर मैच देख रहे थे। टीम के विश्व चैंपियन बनने के बाद घर में खुशी का माहौल रहा और घर में एकत्रित हुए गांव के लोग खुशी से झूम उठे।

सोनी सब लेकर आ रहा है लोकप्रिय बंगाली जासूसी कॉमेडी एकेन बाबू का हिंदी वर्जन,8

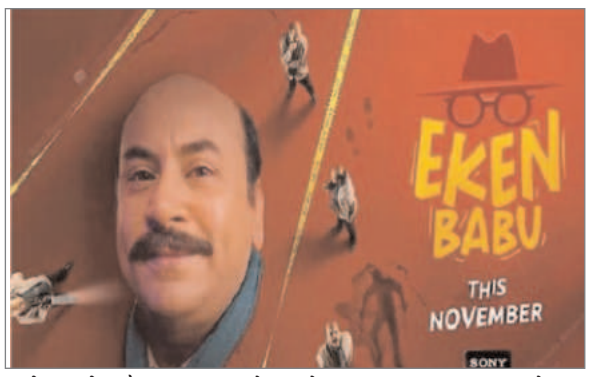

हल्के-फुल्के और पारिवारिक मनोरंजन के लिए मशहूर प्रमुख हिंदी मनोरंजन चैनल सोनी सब अब अपने दर्शकों को ले जा रहा है एक अनोखी और दिलचस्प एकेन बाब की दुनिया में। आठ सफल वेब सीजन और तीन हिट फिल्मों के बाद, यह लोकप्रिय बंगाली जासूसी कॉमेडी अब अपने हिंदी डब संस्करण के साथ टेलीविजन पर दस्तक दे रही है। अपने अनोखे हास्य, बुद्धिमत्ता और मजेदार रहस्य-सुलझाने की शैली के साथ ह्यएकेन बाबूह्ल अब देशभर के दर्शकों का मनोरंजन करेगा, सिर्फ सोनी सब पर। एकेन बाबू की कहानी है एकेंद्र सेन (जिनका किरदार प्रसिद्ध बंगाली फिल्म अभिनेता अनिर्बाण चक्रवर्ती निभा रहे हैं) की जिन्हें प्यार से एकेन बाबू कहा जाता है। वे एक अजीबोगरीब, मूडी और खाने के बेहद शौकीन जासूस हैं, जिनकी सरलता और विचित्र आदतें अपराधियों और साथियों – दोनों को ही चौंका देती हैं। यह शो पारंपरिक गंभीर क्राइम ड्रामाओं से बिल्कुल अलग है, जो दर्शकों को एक हल्का-फुल्का, मनोरंजक और दिलचस्प जासूसी अनुभव देता है – यह साबित करते हुए कि एक आम आदमी भी असाधारण रहस्यों को सुलझा सकता है।

बीसीसीआई ने विश्व विजेता बेटियों के लिए खोला खजाना

बोर्ड इनाम में देगा 51 करोड़, भारतीय खिलाड़ियों को आईसीसी से मिले हैं 39 करोड़

एजेंसी/ मुंबई: महिला वर्ल्ड कप 2025 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय टीम के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने खजाना खोल दिया है। बीसीसीआई ने विश्व विजेता बेटियों को 51 करोड़ रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। बोर्ड ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल से 12 करोड़ रुपए ज्यादा की प्राइज मनी देने का ऐलान किया है। हरमनप्रीत कौर की अगवाई वाली भारतीय टीम को विजेता बनने पर आईसीसी से लगभग 39 करोड़ रुपए मिले। वहीं, बीसीसीआई ने भारतीय टीम के खिलाडियों, कोचों और स्पोर्ट स्टाफ के लिए 51 करोड़ रुपए के नकद इनाम का ऐलान किया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में हुए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर इतिहास रच दिया है। इससे पहले 2005 और 2017 के वर्ल्ड कप में भारत फाइनल तक तो पहुंचा था, लेकिन खिताब जीत नहीं पाया था।

ट्रॉफी ही नहीं, दिल जीत लिया: बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, 1983 में कपिल

देव ने भारत को वर्ल्ड कप जिताकर क्रिकेट में एक नया दौर और हौसला लाया। वही जोश और हौसला अब महिलाओं ने दिखाया है। हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम ने सिर्फ ट्रॉफी ही नहीं जीती, बल्कि सभी भारतीयों का दिल जीत लिया है। उन्होंने महिला क्रिकेटरों की अगली पीढ़ी के लिए रास्ता बनाया है। महिला क्रिकेट पहले ही अपने नेकस्ट लेवल पर पहुंच गया था, जब हमारी टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने 300 फीसदी बढ़ाई थी प्राइज मनी : देवजीत सैकिया ने कहा, जब जय शाह ने बीसीसीआई की कमान संभाली (2019 से 2024 तक बीसीसीआई के सचिव रहे) उन्होंने महिला क्रिकेट में कई बदलाव किए। मैच फीस बराबर कर दी। पिछले महीने आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने महिलाओं की प्राइज मनी में 300 फीसदी की बढ़ोतरी की। पहले प्राइज मनी 2.88 मिलियन डालर थी और अब इसे बढ़ाकर 14 मिलियन डालर कर दिया गया है। इन सभी कदमों से महिला क्रिकेट को बहुत बढ़ावा मिला है।

बिहार विस चुनावः आज थम जाएगा प्रचार का शोर

प्रथम चरण के 121 विधानसभा क्षेत्रों में छह नवंबर को डाले जायेंगे वोट

एजेंसी/ पटनाः बिहार विधानसभा की 121 सीटों पर प्रथम चरण में छह नवंबर को होने वाले मतदान के लिए मंगलवार शाम प्रचार का शोर थम जाएगा। बिहार में इस बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में भाजपा, जनता दल यूनाइटेड (जदयू) लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) शामिल है। वहीं महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी), भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी लेनिनवादी (भाकपा माले), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और इंडियन इंक्लूसिव पार्टी (आईआईपी) चुनाव मैदान में उतरी है। इस चुनाव में राजग के घटक जदयू ने 57,भाजपा ने 48, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने 13 और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) ने 02 प्रत्याशी चुनावी अखाड़े में उतारे हैं। एक अन्य सीट मढ़ौरा में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) प्रत्याशी भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री सीमा सिंह का नामांकन रद्द हो गया था। राजग ने इस सीट पर निर्दलीय अंकित कुमार को समर्थन दिया है।

वहीं महागठबंधन के घटक राजद ने 71, कांग्रेस ने 24, भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा माले) ने 14, भाकपा ने पांच, माकपा और आईआईपी ने तीन-तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं। प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज ने प्रथम चरण में 118 उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारे हैं। इन 121 विधानसभा क्षेत्रों में पहले चरण के मतदान में 45341 मतदान केंद्र पर तीन करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर 122 महिला और 1192 पुरुष प्रत्याशी समेत कुल 1314 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में बंद कर देंगे। मतदाताओं में एक करोड़ 98 लाख 35 हजार 325 पुरुष, एक करोड़ 76 लाख 77 हजार 219 महिला और 758 थर्ड जेंडर शामिल हैं।

कोल्ड्रिफ कफ सिरप केस में आरोपी डॉक्टर की पत्नी गिरफ्तार, स्टॉक में की थी हेराफेरी, 22 बच्चों की हुई थी मौत

नई दिल्लीः 22 बच्चों की मौत से जुड़े जहरीले कफ सिरप मामले में लंबे समय से फरार चल रही सहआरोपी ज्योति सोनी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी डॉक्टर प्रवीण सोनी की पत्नी ज्योति पर सबूत छिपाने और अपराध में मदद करने का आरोप है। वह परासिया में एक मेडिकल स्टोर चलाती थी। सोमवार को एसआईटी ने परासिया से उसे हिरासत में लिया।

डीएसपी जितेंद्र जाट के अनुसार, फरारी के दौरान ज्योति बैंगलुरु और बनारस में छिपी रही थी। इस दौरान उसने जबलपुर हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत लेने की कोशिश भी की थी। जानकारी मिलने पर एसआईटी ने कार्रवाई कर उसे पकड़ लिया। आरोपी को मंगलवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

ड्रग विभाग की जांच में सामने आया था कि ज्योति ने फॉर्मासिस्ट सौरभ जैन और न्यू अपना फार्मा के संचालक राजेश सोनी के साथ मिलकर जहरीले कफ सिरप कोल्ड्रिफ के स्टॉक में हेराफेरी की थी और कई अहम जानकारियां छिपाईं। तीनों ने डॉ. प्रवीण सोनी को बचाने के लिए सबूत मिटाने की कोशिश की थी। इसी आधार पर पुलिस ने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। सौरभ और राजेश पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं, जबकि अब ज्योति भी पुलिस के कब्जे में है। ज्योति की गिरफ्तारी को लेकर परासिया में चर्चा का माहौल है। कुछ लोगों का कहना है कि उसने स्वेच्छा से आत्मसमर्पण किया, जबकि पुलिस का कहना है कि यह गिरफ्तारी है, सरेंडर नहीं। एसआईटी अब उससे यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि फरारी के दौरान उसने किनसे संपर्क किया और सबूतों को नष्ट करने में उसकी क्या भूमिका रही।

रोलवालिंग पर्वत श्रृंखला में भारी हिमस्खलन पांच विदेशियों सहित सात की मौत, चार लापता,1

काठमांडूः नेपाल के दोलखा ज़िले के रोलवालिंग पर्वत श्रृंखला में सोमवार सुबह आए भीषण हिमस्खलन में सात पर्वतारोहियों की मौत हो गई है। मरने वालों में पांच विदेशी और दो नेपाली नागरिक शामिल हैं, जबकि चार नेपाली पर्वतारोही अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। दोलखा ज़िला पुलिस कार्यालय के अनुसार, यह हादसा सुबह लगभग 8:30 बजे उस समय हुआ जब 15 सदस्यीय टीम यालुंग री चोटी की ओर बढ़ रही थी। इस टीम में पांच विदेशी पर्वतारोही और दस नेपाली गाइड शामिल थे। हिमस्खलन की चपेट में आने से पूरी टीम बर्फ में दब गए। लेकिन खराब मौसम और संचार बाधित होने के कारण समय पर बचाव अभियान नहीं चलाया जा सका। दोलखा के पुलिस उपाधीक्षक ज्ञान कुमार महतो ने बताया कि मारे गए विदेशी पर्वतारोहियों में तीन फ्रांसीसी, एक कनाडाई और एक इतालवी नागरिक शामिल हैं। महतो के अनुसार, टीम का मूल लक्ष्य दोल्मा कांग पर्वत पर चढ़ना था, लेकिन उससे पहले यालुंग री को उन्होंने अभ्यास पर्वतारोहण के रूप में चुना था। महतो ने बताया कि हादसे की सूचना देर से मिली और लगातार बर्फबारी व बादलों के कारण हेलीकॉप्टर से बचाव कार्य शुरू नहीं हो पाया। सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस को लामाबगर से भेजा गया, लेकिन खराब मौसम ने अभियान को गंभीर रूप से प्रभावित किया। स्थानीय निवासियों के मुताबिक, रोलवालिंग घाटी में कई दिनों से लगातार बर्फबारी हो रही थी, जिसके चलते निकट के गांव के अधिकांश लोग दूसरे गांव चले गए थे।

मातम में बदलीं शादी की खुशियां

बेटी के ससुराल से लौटते समय खाई में गिरी कार, दो की मौत

हमीरपुरः जिला हमीरपुर के उखली के पास टियाले दा घट में सोमवार शाम हुए एक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। गाड़ी में छह लोग सवार थे। यह लोग समेला में आयोजित नवविवाहित बेटी के शादी समारोह से वापस अपने घर आ रहे थे और रास्ते गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कालेज हमीरपुर लाया गया जहां दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान दुनी चंद और रघुवीर सिंह गांव अमनेड़ के रूप में हुई है। गाड़ी में सुदेश कुमारी पत्नी प्यार चंद ग्राम सम्मेला, प्यार चंद ग्राम समेला, रघुवीर सिंह पुत्र भाग सिंह ग्राम अमनेड, अनिल कुमार, दुनी चंद, सुदेश कुमारी पत्नी प्यारचंद गांव समेला अनीता राणा पत्नी सुनील राणा सवार थे। जानकारी के अनुसार अमनेड़ की बेटी का विवाह दंगोटा के युवक के साथ संपन्न हुआ। सोमवार को रिवाज के अनुसार बेटी के रिश्तेदार और परिजन उसके ससुराल दंगोटा गए हुए थे। सोमवार शाम को छह लोग एक गाड़ी में सवार होकर दंगोटा से वापस आ रहे थे कि टियाले दा घट में अचानक उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई।

अपमान मंत्रालय बनाएं पीएम, बिहार में प्रियंका गांधी ने कसा तंज, दिया अनोखा सुझाव

एजेंसी/पटनाः बिहार चुनाव के बीच कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी चुनावी जनसभाएं कर रही हैं। सोमवार को सहरसा के सोनबरसा में उन्होंने चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने तंज कसते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अनोखा सुझाव भी दे डाला। उन्होंने कहा कि वह एक नया मंत्रालय बनाएं और उसे अपमान मंत्रालय नाम दें, ताकि उनका समय बर्बाद न हो। लोगों को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा कि जब आप अपनी नौकरी, रोजगार के लिए विरोध करते हैं, और उन्हें लगता है कि किसी के सवाल उठाने से देश का अपमान हो रहा है, तो अपमान मंत्रालय आपको तलब कर सकता है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि जब कर्नाटक में चुनाव था, तो कह रहे थे कि विपक्ष ने कर्नाटक का अपमान किया है। बंगाल गए तो बंगाल का अपमान, बिहार आते हैं, तो कहते हैं कि विपक्ष के सारे नेता बिहार की जनता का अपमान कर रहे हैं।

ऐसे में मेरा सुझाव है कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का ज्यादा समय काम करने में लगना चाहिए। रोजगार दिलवाने में जाना चाहिए। विकास और उद्योग लगवाने में लगना चाहिए। इसलिए वे एक-एक मंत्रालय बनवा लें, उसका नाम रखें अपमान मंत्रालय फिर उन्हें अपने अपमान की लिस्ट खुद नहीं बनानी पड़ेगी, अपमान मंत्रालय बनाएगा। जब कोई महिला, संविदाकर्मी, अध्यापक अपनी मांगें उठाएं,और इन्हें लगे कि देश का अपमान हो रहा है, तो अपमान मंत्रालय ऐसे लोगों को तलब कर लेगा और कार्रवाई करेगा। प्रियंका ने कहा कि मेरा एक और सुझाव है कि अब इन्होंने (नरेंद्र मोदी) मेरे परिवार को जितनी गालियां दीं, जितना अपमान किया, उसका भी रिकॉर्ड रखा जाए। एक पूरी लाइब्रेरी बन जाएगी। बता दें पीएम मोदी ने राहुल गांधी पर छठ पूजा को ड्रामा कहकर उसका अपमान करने का आरोप लगाया था, जिसका जवाब प्रियंका गांधी ने दिया। बीजेपी-जेडीयू ने महिलाओं को ठगाः प्रियंका गांधी ने बीजेपी और जेडीयू पर भी निशाना साधा और कहा कि एनडीए सरकार ने सिर्फ महिलाओं को ठगने का काम किया है। कभी महिलाओं के संघर्ष को नहीं समझा, अब चुनाव के समय पैसे देकर वोट खरीदना चाहते हैं, लेकिन बिहार उनकी इस नीयत को भांप चुका है- वोट की चोट से करारा जवाब देगा।

एनडीए में चल रही बहुत बड़ी साजिश

खाते में दस हजार रुपए डालने से नहीं जीत पाएंगे नीतीश : खडगे

एजेंसी/ पटनाः पटना में सोमवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने पीसी की। उन्होंने कहा कि आज यहां जेडीयू और बीजेपी की सरकार है। 11 साल से मोदी जी केंद्र में अपनी सरकार चला रहे हैं। अभी भी यह पुरानी बात करते हैं। कभी हमारे पुराने लीडर जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी की बात करते हैं। खडगे ने कहा कि पीएम मोदी झूठों के सरदार हैं, वह हर जगह जाकर झूठ बोलते हैं। नीतीश कुमार ने 10,000 रुपए महिलाओं के खाते में डाले, मगर बिहार के लोग समझदार हैं, उनके खाते में अगर 10 लाख रुपए भी डाले जाए, तो वह सोच-समझकर ही वोट देंगे। कल यहां पर पीएम मोदी का रोड शो हुआ था। मैंने उनके कई फोटो देखी, मगर नीतीश कुमार को नहीं देखा। रैली में भी उनके साथ नीतीश कहां गए, वह नहीं दिखे।

जिस एनडीए की वह सरकार बनाने वाले हैं, उसमें नीतीश गायब कर दिए हैं। उन्होंने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने के लिए नाम तक नहीं लिया है। एनडीए में बहुत बड़ी साजिश चल रही है। कौन कब जलवा दिखा दे, पता नहीं। कांग्रेस की कनपट्टी पर कट्टा रखकर सीएम फेस घोषित करने के बात पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस को कोई डरा नहीं सकता और कांग्रेस कभी डरती नहीं। वह दोस्ती के साथ चलती है।

रॉयल एनफील्ड की बिक्री अक्टूबर में 13 प्रतिशत बढ़ी, फेस्टिल सीजन सेल्स 2.49 लाख के पार

मुंबईः लोकप्रिय बाइक बुलेट की मैन्युफैक्चरिंग करने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड ने रविवार को बताया कि अक्टूबर में उसकी कुल बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 1,24,951 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में बिक्री 1,10,574 इकाई थी। इस मजबूत वृद्धि की वजह त्योहारी मांग और बाजार धारणा में सुधार होना था।

कंपनी ने बयान में कहा कि घरेलू बिक्री 15 प्रतिशत बढ़कर 1,16,844 इकाई हो गई, जो अक्टूबर 2024 में 1,01,886 इकाई थी। हालांकि, निर्यात 7 प्रतिशत घटकर 8,107 इकाई रह गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 8,688 इकाई था। आयशर मोटर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और रॉयल एनफील्ड के सीईओ बी गोविंदराजन ने कहा कि त्योहारी माहौल ने देश भर में बिक्री को बढ़ावा दिया।

उन्होंने कहा, हमने सितंबर और अक्टूबर के त्योहारी महीनों में 2.49 लाख से ज्यादा मोटरसाइकिलों की बिक्री की है, जो कि कंपनी का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है, यह एक ऐसी उपलब्धि है जो हमारी गति और ब्रांड के प्रति राइडर्स के अटूट प्रेम को दशार्ता है। आयशर मोटर्स समूह की कंपनी रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350, बुलेट, हंटर 350 और हिमालयन जैसे लोकप्रिय मॉडलों की मैन्युफैक्चरिंग करती है। रॉयल एनफील्ड का यह मजबूत प्रदर्शन ऐसे समय में आया है जब भारत की पूरी दोपहिया वाहन इंडस्ट्री में जीएसटी सुधार के कारण तेजी देखी जा रही है।

टीवीएस मोटर कंपनी और सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया सहित कई प्रमुख दोपहिया वाहन निमार्ताओं ने अक्टूबर में जीएसटी सुधारों और त्योहारी मांग के चलते 8 से 11 प्रतिशत की बिक्री वृद्धि दर्ज की है। इंडस्ट्री के अनुमानों के अनुसार, जीएसटी सुधारों और मजबूत त्योहारी मांग के चलते भारत में दोपहिया वाहनों की बिक्री में तेजी आई है और प्रमुख वाहन निमार्ताओं ने अक्टूबर 2025 के दौरान बिक्री में 8 से 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। विश्लेषकों का कहना है कि मौजूदा आर्थिक सुधार, ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर धारणा और नए मॉडलों के लॉन्च के साथ दोपहिया वाहनों की बिक्री को और बढ़ावा मिला है।

भारत-फ्रांस सहयोग के नए क्षेत्र के रूप में उभर रहा पूर्वोत्तरः ज्योतिरादित्य सिंधिया

गुवाहाटी : केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को यहां भारत-फ्रांस पूर्वोत्तर निवेश फोरम में शिरकत की।

उन्होंने अपने संबोधन के दौरान कहा कि पूर्वोत्तर तेजी से भारत-फ्रांस सहयोग के नए क्षेत्र के रूप में उभर रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने इस फोरम को ह्यविजन और उद्यम के बीच एक सेतुह्ल बताया, जो भारत और फ्रांस के बीच स्थायी साझेदारी का जश्न मनाता है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी न केवल संधियों से, बल्कि विश्वास से भी बंधी है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत-फ्रांस संबंध दुनिया की सबसे व्यापक रणनीतिक साझेदारियों में से एक बन गए हैं, जिसमें रणनीति को आत्मा से और नवाचार को समावेशिता से जोड़ा गया है।

उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि रक्षा और अंतरिक्ष सहयोग से लेकर स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल परिवर्तन और टिकाऊ शहरों तक, यह साझेदारी वैश्विक प्रगति के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सिंधिया ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद द्वारा शुरू किया गया अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (2015), स्मार्ट शहरों और शहरी बुनियादी ढांचे में सहयोग, आत्मनिर्भर भारत के साथ राफेल साझेदारी, और पेरिस के एफिल टॉवर (2024) में यूपीआई का शुभारंभ शामिल है, जिसने भारत की फिनटेक क्रांति को यूरोप तक पहुंचाया।

उन्होंने कहा, आज, हम उस प्रकाश को भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र तक पहुंचा रहे हैं, जो तेजी से भारत-फ्रांस सहयोग के नए क्षेत्र के रूप में उभर रहा है।

सिंधिया ने जोर देकर कहा कि कभी चारों ओर से भूमि से घिरा हुआ माना जाने वाला यह क्षेत्र अब भूमि से जुड़ा हुआ और भविष्य के लिए तैयार है।

भारत सरकार के 10 प्रतिशत जीबीएस आवंटन के तहत 6.2 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश के साथ, इस क्षेत्र में 6,500 किलोमीटर नई सड़कों, 900 किलोमीटर रेलमार्गों और 17 हवाई अड्डों के संचालन के साथ-साथ भारतनेट के तहत 96 प्रतिशत गांवों को जोड़ा गया है।

भागीदारी पर प्रकाश डालते हुए टोटल एनर्जीज, एयरबस, डसॉल्ट सिस्टम्स, डेकाथलॉन और पीओएमए जैसे फ्रांसीसी नेतृत्व का उदाहरण दिया, जो पहले से ही हरित ऊर्जा, विमानन, डिजाइन नवाचार, खुदरा और टिकाऊ गतिशीलता के क्षेत्र में परिवर्तन को आकार दे रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

सरण सिंह सड़क हादसा मामले में पुलिस ने जुटाए अहम साक्ष्य

जमशेदपुर : बमार्माइंस थाना क्षेत्र के हरिजन बस्ती के पास बीते 11 सितंबर को हुई सड़क दुर्घटना में युवक सरण सिंह की मौत के मामले में पुलिस जांच अब अंतिम चरण में है। जांच के दौरान पुलिस को कई अहम साक्ष्य मिले हैं, जिन्हें जल्द ही अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, घटना से जुड़े तकनीकी साक्ष्य और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान एकत्र कर लिए गए हैं, ताकि अदालत में अभियुक्त के खिलाफ ठोस मुकदमा पेश किया जा सके। 11 सितंबर की तड़के करीब 3:30 बजे नामदा बस्ती नानक नगर निवासी राजू सिंह के पुत्र सरण सिंह की मौत एक सड़क हादसे में हो गई थी।

वह अपने दोस्तों के साथ बाइक से रेलवे स्टेशन किसी परिचित को छोड़ने गया था। लौटते वक्त हरिजन बस्ती के पास तेज रफ्तार 12 चक्का ट्रक ने उसे कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल सरण को टाटा मेन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप था कि ट्रक चालक घटना के बाद मौके से फरार हो गया और अगर उसने घायल को अस्पताल पहुंचाया होता, तो शायद उसकी जान बचाई जा सकती थी। थाना प्रभारी ने बताया कि दुर्घटनास्थल से मिले वाहन के टायर के निशान, सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीदों के बयान को साक्ष्य के रूप में एकत्र किया गया है। अब इन सभी दस्तावेजों और सबूतों को अदालत में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर ट्रक चालक की पहचान स्पष्ट हो चुकी है और अदालत में पेश किए जाने वाले दस्तावेजों के बाद अभियुक्त के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जाएगी।

चेन छिनतई मामले में पुलिस ने शुरू की जांच, आरोपी से पूछताछ जारी

जमशेदपुर : टेल्को थाना क्षेत्र स्थित स्टेडियम के पास सोमवार को हुई चेन छिनतई की घटना में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। लोगों की सजगता से मौके पर पकड़े गए आरोपी युवक से थाने में लगातार पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि वारदात में कोई और साथी शामिल था या आरोपी ने अकेले ही घटना को अंजाम दिया।जानकारी के मुताबिक, सोमवार की दोपहर एक महिला जब स्टेडियम के पास से गुजर रही थी, तभी एक युवक पीछे से आया और उसकी सोने की चेन झपटकर भागने लगा। महिला के शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी का पीछा किया और कुछ दूरी पर पकड़ लिया।

मौके पर मौजूद भीड़ ने उसकी जमकर पिटाई की, जिसके बाद सूचना मिलते ही टेल्को थाना पुलिस पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले गई।थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी से पूछताछ जारी है और यह भी जांच की जा रही है कि क्या वह किसी गिरोह से जुड़ा हुआ है। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगालने शुरू कर दिए हैं ताकि घटना की पूरी सच्चाई सामने लाई जा सके।

सीतारामडेरा थाना में जान से मारने की धमकी व मारपीट का मामला दर्ज

जमशेदपुर : सीतारामडेरा थाना क्षेत्र में आपराधिक षड्यंत्र रचकर जान से मारने की धमकी देने और मारपीट करने का मामला दर्ज किया गया है। यह मामला छायानगर आश्रम निवासी शेख मोहम्मद नजीर की शिकायत पर दर्ज हुआ है। घटना 3 नवम्बर की बताई जा रही है। शेख मोहम्मद नजीर ने पुलिस को दिए अपने बयान में आरोप लगाया है कि कुछ लोगों ने मिलकर उनके साथ आपराधिक षड्यंत्र रचा और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। साथ ही उनके साथ मारपीट की गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने इस मामले में मोनिका कोइला, परितोष कोइला, सफाई महिला मैती, हरि कर्मकार, राजेश कर्मकार, राजेन्द्र प्रसाद तिवारी, कोलदा राम, पाले बागे और पात्रो मनोज सहित अन्य अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटना के बाद पीड़ित ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की संगीन धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिसमें अपराध करने की साजिश, जान से मारने की धमकी और मारपीट जैसी धाराएं शामिल हैं। सीतारामडेरा थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी गई है। सभी आरोपियों के खिलाफ साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं, जल्द ही गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व सैनिकों के घर तक दवा पहुंचाएगा डाक विभाग

जमशेदपुर : देश की सेवा में समर्पित रहे पूर्व सैनिकों के लिए डाक विभाग ने सराहनीय पहल की है। पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) के तहत डाक विभाग ने ऐसी दवाओं को लाभार्थियों के घर तक पहुंचाने की नई सेवा शुरू की है, जो ईसीएचएस पॉली क्लीनिक में उपलब्ध नहीं होती। यह सेवा पूर्व सैनिक विभाग (डीईएसडब्ल्यू) के सहयोग से शुरू की गई है। इस योजना के अंतर्गत सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) के माध्यम से ग्रामस्तरीय उद्यमी (वीएलई) दवाओं की खरीद और पैकेजिंग करेंगे। इसके बाद भारतीय डाक उन्हें लाभार्थियों के दरवाजे तक पहुंचाएगा। भारतीय डाक न केवल दवाओं का परिवहन करेगा, बल्कि संपूर्ण लॉजिस्टिक और वितरण प्रणाली का प्रबंधन भी स्वयं करेगा। इस पहल का उद्देश्य उन पूर्व सैनिकों तक समय पर दवाएं पहुंचाना है, जिन्हें उपचार के दौरान तत्काल दवा की जरूरत होती है, लेकिन संबंधित पॉली क्लीनिक में वह उपलब्ध नहीं हो पातीं। विभाग ने बताया कि यह सर्विस पूरी तरह ट्रैकिंग सुविधा से लैस होगी, ताकि लाभार्थी अपनी दवाओं की स्थिति ऑनलाइन देख सकें। योजना का पहला पायलट प्रोजेक्ट 31 जुलाई को दिल्ली में शुरू किया गया था। योजना को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद इसे हरियाणा और उत्तर प्रदेश के एनसीआर में विस्तारित किया गया। पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के बाद अक्तूबर से यह सेवा पूरे देश में शुरू कर दी गई है। इस संबंध में पूर्व सैनिक सेवा परिषद जमशेदपुर इकाई के वरुण कुमार कहते हैं कि यह एक अच्छी पहल है। डाक विभाग और पूर्व सैनिक विभाग के संयुक्त प्रयास से शुरू हुई यह पहल इलाज के दौरान दवा को लेकर कठिनाई का सामना करने वाले पूर्व सैनिकों के लिए राहत का बड़ा माध्यम बनेगी।

परसुडीह में 14-15 नवंबर को लगेगा आदिवासी पुस्तक मेला

जमशेदपुर : परसुडीह में 14 और 15 नवंबर को दो दिवसीय आदिवासी पुस्तक मेला का आयोजन किया जायेगा। यह पुस्तक मेला क्षेत्र की जनजातीय भाषाओं, साहित्य, संस्कृति और लोकपरंपराओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इसमें झारखंड, ओडिशा और बंगाल के 22 प्रकाशकों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। मेले का उद्देश्य नयी पीढ़ी को आदिवासी भाषा और साहित्य से जोड़ना है। यह जानकारी बिरसा रूरल एंड सोशल डेवलपमेंट के विक्रम हेंब्रम ने दी। उन्होंने बताया कि पुस्तक मेले का आयोजन सरजामदा या शंकरपुर मैदान आयोजित होना तय हुआ है।

साइबर अपराधियों का दुमका डीटीओ को फंसाने का प्लान विफल, विभाग की सतर्कता से टला मामला

संवाददाता

दुमका : दुमका जिला परिवहन पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार को साइबर अपराधियों ने झांसे में लेने की कोशिश की लेकिन उनके स्टाफ की सतर्कता की वजह से ठगी का मामला टल गया। दरअसल साइबर अपराधियों ने रांची जाने के लिए एक बस उपलब्ध कराने की डिमांड जिला परिवहन पदाधिकारी से की थी।

इस संबंध में दुमका डीटीओ मृत्युंजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को उनके मोबाइल पर एक कॉल आया था, फोन करने वाले ने खुद को आर्मी का कैप्टन बताते हुए कहा कि आप दुमका डीटीओ बोल रहे हैं, जिसके जबाव में डीटीओ ने कहा- हां, उसके बाद उसने कहा कि मैं यहां के आर्मी कैंप से बोल रहा हूं, मुझे अपने 40 जवानों को रांची भेजने के लिए एक बस की जरूरत है।

जिसके बाद डीटीओ ने कॉल करने वाले शख्स से कहा कि हम हाल ही में दुमका आए हैं और हमें यहां के किसी भी आर्मी कैंप के बारे में जानकारी नहीं है। कथित

आर्मी ऑफिसर को डीटीओ ने कहा कि हम किसी काम से निकले हैं तो अपने स्टाफ का नंबर दे देते हैं, हम कोई बस उपलब्ध नहीं कराते हैं लेकिन आपकी बस वाले से बात करा देंगे।

क्यूआर कोड भेजती ही समझ आ गई कहानी

इधर, डीटीओ स्टाफ ने कथित कॉल करने वाले शख्स से बस वाले को लाइनअप कर दिया तो बस चालक अपनी बस लेकर बताए गए पते पर पहुंच गया लेकिन बस चालक को वहां कोई जवान नहीं मिला। जिसके बाद कॉल करने वाले शख्स ने डीटीओ स्टाफ और बस चालक समेत दोनों को क्यूआर कोड भेजकर एक रुपये भेजने को कहा ताकि वह बस का भाड़ा दे सके, उसके इतना कहते ही स्टाफ को पूरी कहानी समझ में आ गई और सभी को आभास हो गया कि कोई साइबर अपराधी है जो ये सब खेल कर रहा है।

डीटीओ ने बताया कि वे इस मामले की पड़ताल कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने आम लोगों से भी अपील की है कि आप साइबर अपराधियों के झांसे में आने से बचें। वे तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर लोगों को ठगने का काम करते हैं।

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों को किया जागरूक

दुमका डीटीओ मृत्युंजय कुमार ने निजी बस पड़ाव के सामने ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों को जागरूक किया। वे पिछले तीन दिनों से लगातार यह अभियान चला रहे हैं, जिसमें लगभग तीन हजार लोगों को हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट बांधना, बाइक में तीन सवारी न बैठाना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने जैसी जरूरी बातों को बताया गया।

उन्होंने कहा कि लोग यातायात नियमों के प्रति जागरुक होकर ही दुर्घटनाओं को रोक सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर ऐसे प्रयासों के बावजूद भी लोग यातायात नियमों का उल्लंघन करेंगे तो उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सीएस कार्यालय के समक्ष भाजपा ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

धनबाद : चाईबासा में मासूम बच्चों को एचआइवी संक्रमित रक्त चढ़ाने व अन्य समस्याओं को लेकर भारतीय जनता पार्टी महानगर एवं ग्रामीण ने सोमवार को सिविल सर्जन कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया। अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष श्रवण राय एवं धनबाद ग्रामीण अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर ने की।

चाईबासा की घटना झारखंड सरकार की नाकामी

पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि चाईबासा की घटना झारखंड सरकार की नाकामी का चरम उदाहरण है। राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है और आम जनता भगवान भरोसे छोड़ दी गयी है। ऐसे में मुख्यमंत्री को तत्काल अपने स्वास्थ्य मंत्री को बर्खास्त करना चाहिए और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाना चाहिए। जो भी दोषी हैं, उन्हें तत्काल सलाखों के पीछे होना चाहिए। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजीव अग्रवाल ने कहा कि जब मासूमों की जिंदगी से खिलवाड़ हो रहा हो और सरकार मौन हो, तो यह संवेदनहीनता नहीं बल्कि अपराध है। महानगर अध्यक्ष श्रवण राय ने कहा कि भाजपा जनता की आवाज बनकर तब तक संघर्ष करेगी, जब तक दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होती है। ग्रामीण जिला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर ने कहा कि हेमंत सरकार के कार्यकाल में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क हर व्यवस्था धराशायी हो चुकी है। प्रदर्शन केवल आक्रोश नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की रक्षा का संकल्प है। बाद में सिविल सर्जन आलोक विश्वकर्मा को राज्यपाल के नाम लिखित ज्ञापन सौंपा गया। उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार की विफलता के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और मांग की कि हेमंत सरकार के स्वास्थ्य मंत्री को तत्काल बर्खास्त किया जाये तथा पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा और न्याय दिलायी जाये। मौके पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजकुमार अग्रवाल, रमेश राही, धर्मजीत चौधरी, तारा देवी, जिला महामंत्री धनेश्वर महतो, विष्णु त्रिपाठी, बलदेव महतो, पंकज सिन्हा उर्फ कुमार अमित, धरणीधर मंडल, जिला महामंत्री मानस प्रसून, निषाद, रीता यादव, नरेंद्र त्रिवेदी, अमरजीत कुमार, सूरज पासवान, अवधेश साह, किशोर मंडल, अरुण राय, योगेंद्र यादव, रंजीत सिंह, विरांची सिंह, पंकज सिन्हा, बृहस्पति पासवान, बच्चा गिरि, सूरज पासवान, कृष्णा राउत, आशीष मुखर्जी, रमेश महतो आदि मौजूद थे।

हरेराम सिंह के घर पर फायरिंग करने वाले दो शूटर गिरफ्तार

हथियार-गोली बरामद

जमशेदपुर : भुइयांडीह के कारोबारी हरेराम सिंह के घर पर फायरिंग करने वाले मुख्य शूटर काशीडीह लाइन नंबर-1 निवासी राज सिंह कश्यप उर्फ कोंदू और गोलमुरी केबल टाउन निवासी राजेश गिरी उर्फ दांतु को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने एक देसी पिस्टल, एक देसी कट्टा, एक मैग्जीन, जिंदा गोली और फायरिंग के दौरान प्रयोग में लायी गयी स्कूटी बरामद की है। पुलिस ने पूछताछ के बाद सोमवार को दोनों को जेल भेज दिया। उक्त जानकारी एसएसपी पीयूष पांडेय ने एसएसपी कार्यालय सभागार में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी। एसएसपी ने बताया कि राज सिंह कश्यप और राजेश गिरी ने मिलकर हरेराम सिंह के घर पर फायरिंग की घटना को अंजाम दिया था। गोलमुरी टुइलाडुंगरी निवासी दशरथ शुक्ला के कहने पर ही 10 अक्तूबर की सुबह हरेराम सिंह के घर पर फायरिंग की थी। फायरिंग के बाद तीनों आरोपी अलग-अलग शहरों में छिपने के लिए निकल गये थे। एसएसपी ने बताया कि इस मामले में दोनों अपराधियों के बारे में जानकारी मिली थी कि दोनों सीतारामडेरा पांडेय घाट के पास हथियार के साथ घूम रहे हैं और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने वाले हैं। सूचना मिलने के बाद डीएसपी मुख्यालय-1 के साथ टीम का गठन कर छापेमारी की और दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों मुख्य रूप से दशरथ शुक्ला के संपर्क में थे। दशरथ और आकाश सिंह के कहने पर ही दोनों ने फायरिंग की घटना को अंजाम दिया था। इस मामले में पुलिस बबलू खान और दशरथ शुक्ला को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। एसएसपी ने बताया कि दशरथ और आकाश बबलू खान के संपर्क में थे और बबलू खान शातिर गैंगस्टर सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान के गिरोह से जुड़ा हुआ है।

महिला से चेन छिनतई, आरोपी को पकड़कर लोगों ने पीटा

संवाददाता

जमशेदपुर : टेल्को थानांतर्गत राम मंदिर के पास रंजीत कौर नामक महिला से एक युवक ने सोने की चेन छीनकर भागने लगा। महिला के शोर मचाने पर मौके पर मौजूद लोगों ने दौड़ाकर युवक को पकड़ लिया। उसके बाद लोगों ने जमकर उसकी पिटाई कर दी। सूचना मिलने के बाद टेल्को पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को थाना लेकर चली गयी। पकड़े गये युवक का नाम रोहित मुर्मू है। वह बिरसानगर जोन नंबर पांच का रहने वाला है। पुलिस ने उसके पास से छीने गये चेन का आधा टुकड़ा बरामद किया है। घटना सोमवार की दोपहर करीब एक बजे की है। मिली जानकारी

के अनुसार रंजीत कौर रोड नंबर आठ, क्वार्टर नंबर के2/8 की रहने वाली है। सोमवार की दोपहर करीब एक बजे वह अपने बेटे गुरुकरण को गुलमोहर जूनियर स्कूल से लेकर घर की ओर लौट रही थी। उसी दौरान राम मंदिर के पास युवक आया और उनके गले से सोने का चेन छीनकर भागने लगा। जिसके बाद महिला ने हल्ला मचाना शुरू किया। इसके बाद आसपास मौजूद लोग युवक की तरफ दौड़े। भागने के क्रम में वह गिर गया, जिसके बाद लोगों ने उसे पकड़ लिया। लोगों ने उसकी जेब से चेन भी बरामद किया। इस संबंध में महिला रंजीत कौर ने टेल्को थाना में लिखित शिकायत दर्ज करायी है।

लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरोमगढ़ राजकीय महोत्सव 2025 का शुभारंभ

संवाददाता

बोकारो : प्रकृति की गोद में बसा जिला में गोमिया प्रखंड के ललपनिया के पवित्र स्थल लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरोमगढ़ में सोमवार सुबह को राजकीय महोत्सव 2025 का शुभारंभ पारंपरिक विधि-विधान और भक्तिपूर्ण माहौल में हुआ। पूरे क्षेत्र में जय लुगुबाबा के जयघोष और मांदर की थापों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, नायके बाबा और आयोजन समिति अध्यक्ष बबली सोरेन व अन्य सदस्यों ने पूजा-अर्चना कर तीन दिवसीय महोत्सव की शुरूआत की।

लुगुबाबा के दरबार में आस्था का सैलाब

पहले ही दिन श्रद्धालुओं का अभूतपूर्व सैलाब उमड़ा। दस हजार से अधिक श्रद्धालु लुगु पहाड़ पर चढ़कर लुगुबाबा के दर्शन के लिए पहुंचे। सूर्योदय के साथ ही श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में गीत-संगीत गाते हुए आस्था की राह पर आगे बढ़ते दिखाई दिए। भक्तों ने कहा कि लुगुबाबा हमारे पुरखों की आत्मा हैं, हमारी धरती और हमारे धर्म के रक्षक यहां आकर मन को शांति और आत्मा को शक्ति मिलती है।

लोकसंस्कृति और परंपरा का जीवंत उत्सव

लुगुबुरू महोत्सव केवल पूजा का पर्व नहीं, बल्कि यह झारखंड की आदिवासी अस्मिता, लोक संस्कृति और सामूहिक एकता का जीवंत उत्सव है। यहां संथाली और अन्य जनजातीय समाजों के लोग अपने पारंपरिक परिधानों में नृत्य और गीतों के माध्यम से अपनी संस्कृति की झलक प्रस्तुत कर रहे हैं।

श्रद्धालुओं के लिए सुगठित व्यवस्था

जिला प्रशासन और आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं के लिए विस्तृत तैयारियां की हैं। टेंट सिटी में आवास और विश्राम की सुविधा, बोकारो स्टील सिटी व गोमिया रेलवे स्टेशन से निःशुल्क बस सेवा, खिचड़ी सेवा, साफ-सुथरा पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और साज-सज्जा, सूचना व सहायता केंद्र, स्वास्थ्य शिविर और स्वच्छता टीम निरंतर सक्रियता बनाये रहेंगे।

डीसी अजय नाथ झा ने पूजा-अर्चना कर महोत्सव की सफलता और जिले की सांस्कृतिक एकता, सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि लुगुबुरू महोत्सव हमारी मिट्टी की खुशबू, हमारी संस्कृति की आत्मा और हमारी परंपरा की पहचान है। यह पर्व झारखंड की लोक आस्था को विश्व पटल पर स्थापित करता है। इस महोत्सव में सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कार्तिक पूर्णिमा के दिन शामिल होंगे एवं पूजा अर्चना करेंगे।

सुरक्षा और सेवा-प्रशासन सतर्क

एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पूरे परिसर में पुलिस बल की तैनाती, ड्रोन व सीसीटीवी निगरानी और नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हर आगंतुक को सुरक्षित, सहज और भक्तिपूर्ण अनुभव मिले, यही हमारा प्रयास है।

धर्म, धरती और संस्कृति का अनोखा संगम : लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरोमगढ़ संथाली समाज का पवित्रतम तीर्थ स्थल माना जाता है। यहां प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु एकत्र होकर धरती, जल, जंगल और जन के इस पवित्र रिश्ते का उत्सव मनाते हैं। यह पर्व झारखंड की उस आत्मा को अभिव्यक्त करता है, जिसमें प्रकृति ही ईश्वर है और लुगुबाबा उसका साकार स्वरूप।